डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG-5

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-8

सिनेमाः स्पाई एजेंट बन कंगना रनोट ने दिखाया बेरहम अंदाज

वर्ष -08 अंक -53 | प्रयागराज, शनिवार 30 अप्रैल, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

यादाद्री-भोंगीर जिले में दर्दनाक हादसा

भोंगीर (तेलंगाना)। तेलंगाना के यादाद्री-भोंगीर जिले से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। यहां इलाके में बनी एक पुरानी इमारत की छत अचानक ढह गई। जानकारी के मुताबिक हादसे में अब तक चार लोगों की मौत को लेकर पुष्टि की गई है। साथ ही बताया जा रहा है कि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज जारी है। भोंगिर जिले के पुलिस उपायुक्त ने हादसे के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जिस वक्त यह घटना तब चार लोग इमारत के नीचे खड़े थे। तभी अचानक बिल्डिंग की छत का एक हिस्सा ढह गई। जिसके चलते वहां खड़े चारों लोगों की मौके पर ही मलबे के नीचे दबने के कारण मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचना इमारत के मालिक, एक किरायेदार और दो मजदूरों के रूप में हुई है।घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से राहत कार्य चलाया। जिसके बाद हादसे में घायल हुए लोगों को तुरंत ही अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज जारी है। तेलंगाना के राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने यादाद्री में हुई दुखद घटना को लेकर लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया है।राजभवन की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है।

बिजली संकट दूर करने को रेलवे ने संभाला मोर्चा

नई दिल्ली। बिजली का उत्पादन करने वाली कंपनियों तक तेजी के साथ कोयला पहुंचाने के लिए भारतीय रेलवे ने कई पैसेंजर ट्रेनों का संचालन रद करने का फैसला किया है। इनमें 16 मेल और एक्सप्रेस दैनिक ट्रेनों के अलावा ट्रेनों के 670 फेरे (ट्रिप) शामिल हैं। ज्यादातर ट्रेनों का संचालन 24 मई तक रोका गया है। हालात की साप्ताहिक समीक्षा की जाएगी और स्थिति सामान्य होते ही संचालन बहाल कर दिया जाएगा। बिजली संयंत्रों के लिए रोजाना 533 रेक से कोयले की ढुलाई हो रही है। पैसेंजर ट्रेनों के पटरी से हट जाने से कोयले से लदी मालगाड़ियों की रफ्तार तेज हो जाएगी। रेलवे प्रवक्ता राजीव जैन का कहना है कि रोजाना 16.50 लाख टन कोयले की ढुलाई हो रही है।

हनुमान चालीसा का पाठ करने वाले जब गिरफ्तार हुए होंगे, तब बाल ठाकरे की आत्मा को चोट पहुंची होगी: केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। देशभर में लाउडस्पीकर विवाद पर सियासी पारा चढ़ा हुआ है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने शुक्रवार को लाउडस्पीकर विवाद पर महराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस तरह से हनुमान चालीसा का पाठ करने या भगवान राम का नाम लेने वालों की गिरफ्तारियां की गईं, उससे ठाकरे साहब (दिवंगत शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे) की आत्मा को ठेस पहुंची होगी। अश्विनी कुमार ने पुणे में संवाददाताओं से कहा, 'हाल ही में, मैंने यहां देखा है कि हनुमान चालीसा का पाठ करने या भगवान राम का नाम लेने वालों को गिरफ्तार किया गया है। इससे दिवंगत शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे की आत्मा को ठेस लगी होगी। केंद्रीय मंत्री ने राज्य सरकारों से लाउडस्पीकरों के संबंध में मानदंडों का पालन करने की अपील की उन्होंने कहा, 'लाउडस्पीकर का

इस्तेमाल देर रात या सुबह जल्दी नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि ध्वनि प्रदूषण के कारण लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से लोगों को रोकने के लिए मानदंड और नियम उपलब्ध है और यदि कोई राज्य सरकार मानदंडों का पालन कर रही है, तो यह अच्छा है। उन्होंने आगे कहा, 'ध्वनि प्रदूषण, जल प्रदूषण और वायु प्रदूषण उन तमाम प्रदूषण को कैसे नियंत्रित रखे, यह जिम्मेदारी लोगों के साथ शासन-प्रशासन, राज्य और केंद्र सरकारों को मिलकर लेनी है।आपको बता दें कि लाउडस्पीकर विवाद पिछले महीने तब शुरू हुआ, जब मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार को मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर लाउडस्पीकर नहीं हटाए गए तो उनकी पार्टी के नेता हर मस्जिद के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ तेज आवाज में करेंगे राज ठाकरे की चेतावनी के बाद, मनसे(श्ए) के कुछ नेताओं ने स्पीकर पर हनुमान चालीसा का पाठ किया, लेकिन उन्हें रोक दिया गया, हिरासत में लिया गया और उन पर जुर्माना लगाया गया। ठाकरे ने राज्य सरकार को मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने के लिए 3 मई तक का समय दिया है।

कोयला संकट के बयान पर प्रह्लाद जोशी ने राहुल गांधी को बताया 'फर्जी ज्योतिषी'

नई दिल्ली। देश में बिजली संकट की समस्या पर पिछले दिनों राहुल गांधी ने सरकार पर हमला बोला था और अपने फेसबुक पोस्ट के जरिए सरकार से इसपर जवाब मांगा था। केंद्रीय कोयला मंत्री प्रल्हाद जोशी ने शुक्रवार को भारत के कोयला संकट पर अपनी हालिया टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला किया और कहा कि वह इन दिनों एक 'नकली ज्योतिषी' बन गए है। मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा- 'राहुल गांधी इन दिनों नकली ज्योतिषी बन गए है। देश में कोयले की कमी के कारण क्या होने वाला है, यह बताने के बजाय उन्हें देश को बताना चाहिए कि उनकी सरकार के दौरान कितना बड़ा कोयला घोटाला हुआ और देश को इस धोखाधड़ी के कारण कितना नुकसान हुआ। प्रह्लाद जोशी का यह बयान तब आया, जब वायनाड के सांसद द्वारा कल कहा गया था कि मोदी सरकार को 'नफरत का बुलडोजर' चलाना बंद कर देना चाहिए और इसके बजाय बिजली संयंत्र चलाना चाहिए। देश में गहराते बिजली संकट पर राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने सरकार पर तंज

कस्ते हुए कहा कि सरकार को बुलडोजर रोककर पावर प्लांट चलाना चाहिए क्योंकि देश बिजली संकट से जूझ रहा है। राहुल गांधी ने एक फेसबुक पोस्ट में लिखा, '20 अप्रैल, 2022 को मैंने मोदी सरकार से कहा कि नफरत का बुलडोजर चलाना बंद करो और देश में बिजली संयंत्र शुरू करो। आज कोयले और बिजली संकट ने पूरे देश में तबाही मचा दी है। राहुल गांधी ने फेसबुक पोस्ट के जरिए सरकार से सवाल किया कि क्या उन्हें देश में रहने वाले लोगों की चिंता नहीं है ? अपने फेसबुक पोस्ट पर राहुल गाँधी आगे कहा कि 'मैं फिर कह रहा हूं - यह संकट छोटे उद्योगों को नष्ट कर देगा, जिससे बेरोजगारी और बढ़ेगी। छोटे बच्चे इस भीषण गर्मी को बर्दाश्त नहीं कर सकते। अस्पतालों में भर्ती मरीजों की जिंदगी दांव पर है। रेल और मेट्रो सेवाओं को रोकने से आर्थिक नुकसान होगा। जोशी ने कहा कि केंद्र देश में कोयला उत्पादन बढ़ाने के लिए लगातार कई कदम उठा रहा है, भारत का कोयला उत्पादन बढ़कर 777 मीट्रिक टन और वित्तीय वर्ष 2021-22 में 818 मीट्रिक टन का उठाव हो गया है। थर्मल प्लांट के पास कोयले के स्टाक में गिरावट की खबरों के बीच जोशी ने कहा है कि देश के थर्मल प्लांट में करीब 22 मिलियन टन कोयला है जो 10 दिनों के लिए पर्याप्त है और इसकी भरपाई लगातार की जाएगी। देश में कोयला संकट के कारण भारत के कई राज्य बिजली कटौती से जूझ रहे हैं। कोयला मंत्रालय ने शुक्रवार को एक साल पहले की अवधि की तुलना में कोल इंडिया लिमिटेड ने अप्रैल 2022 में अपने उत्पादन में 27.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है।

देश में 24 घंटों में मिले कोरोना के 3,688 नए मामले, 18000 के पार पहुंचे एक्टिव केस

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण अब प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। बीते 24 घंटों में कोरोना के 3,688 नए मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार इस दौरान 2,755 लोग डिस्चार्ज हुए और कोरोना से 50 लोगों की मौत हुई है। गौरतलब है कि कोरोना के मामलों में लगातार बढ़ोतरी के साथ कई शहरों में नए म्यूटेंट का मिलना भी एक चिंता का विषय बन गया है। कोरोना के नए मामलों में इजाफे के साथ एक्टिव मामले भी अब बढ़कर 18,684 हो गए हैं। इसी के साथ देश में अब कुल कोरोना मामले बढ़कर 4,30,75,864 हो गए हैं। वहीं कोरोना से कुल मौतों का आंकड़ा भी अब 5,23,803 पर पहुंच गया है। राजधानी दिल्ली में भी कोरोना मामले लगातार बढ़ते जा रहे

हैं। दिल्ली सरकार द्वारा जारी कोरोना हेल्थ बुलेटिन के अनुसार राज्य में बीते 24 घंटे में 1,607 नए कोरोना केस मिले हैं। वहीं अब एक्टिव मामलों की संख्या भी पांच हजार के पार पहुंच गई है। एक्टिव केस अब बढ़कर 5,609 हो गए हैं, वहीं बीते 24 घंटों में 1,246 कोरोना मरीज ठीक हुए हैं 2 ने इस दौरान अपनी जान गवाई है। इसी के साथ अब राज्य में पोजिटिविटी दर 5.28 फीसद पर आ गई है।छोटे बच्चों को कोरोनारोधी टीकों की खुराक जल्द मिल सकती है। 6 महीने से 5 साल की उम्र के बच्चों को कोरोना वैक्सीन देने के लिए फाइजर और माडर्ना ने अमेरिकी सरकार से अनुरोध किया है, जिसकी समीक्षा करने के लिए अमेरिकी दवा नियामक के विशेषज्ञों का एक सलाहकार पैनल जून में बैठक करेगा। वहीं माडर्ना ने कनाडा सरकार के साथ कोरोना वैक्सीन निर्माता की 10 साल की साझेदारी के हिस्से के रूप में क्यूबेक प्रांत में एक वैक्सीन निर्माण सुविधा बनाने की योजना बनाई है।

कोयले की आपूर्ति पर भूपेश बघेल ने केंद्र को घेरा

रायपुर। देश के आधे से ज्यादा राज्यों में कोयले की कमी के चलते बिजली संकट गहराता जा रहा है। इस बीच छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने केंद्र सरकार को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। दिल्ली रवाना होने से पहले सीएम भूपेश

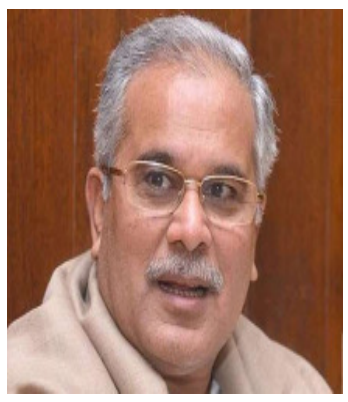

बघेल ने कहा कि, यह भारत सरकार की जिम्मेदारी है कि वह यह सुनिश्चित करे कि देश भर के बिजली संयंत्रों को पर्याप्त मात्रा में कोयले की आपूर्ति की जाए। उन्होंने कहा कि कोयले की कमी के लिए अकेला केंद्र जिम्मेदार है क्योंकि उसने समय रहते कोई कदम नहीं उठाया। कोयले की आपूर्ति में कमी के चलते बिजली कटौती को लेकर कल राहुल गांधी ने भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा था। फेसबुक पोस्ट के जरिए सरकार पर निशाना साधते हुए राहुल ने कहा कि 20 अप्रैल को ही उन्होंने मोदी सरकार से कहा था कि बुलडोजर की जगह सरकार को देश के पावर संकट पर ध्यान देना चाहिए। राहुल ने इसी के साथ इस संकट से छोटे उद्योगों के खत्म होने की भी बात कही जिससे बेरोजगारी बढ़ने की संभावना भी बढ़ सकती है। जानकारी के अनुसार भीषण गर्मी के बीच पूरे देश में बिजली की मांग भी रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई है। बिजली मंत्रालय ने ट्वीट कर बताया कि शुक्रवार को दोपहर 14:50 बजे तक बिजली की मांग रिकार्ड 2,07,111 मेगावाट तक पहुंच गई। वहीं गुरुवार को भी बिजली की मांग 2,04,650 मेगावाट के स्तर पर पहुंच गई थी। आपको बता दें कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, पंजाब और राजस्थान समेत देश के 16 राज्य इस वक्त कोयला संकट से गुजर रहे है जिसके चलते उन्हें बिजली आपूर्ति में कटौती करनी पढ़ रही है। दरअसल, देश के कई पावर प्लांट में कोयले की कमी होने की रिपोर्ट सामने आई है। इसके चलते केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से कोयले के ट्रांसपोर्ट को बढ़ाने को लेकर चर्चा भी की थी।

कोयले की किल्लत को लेकर कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला ने 'न्यू कोल आक्शन पालिसी' पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य और पार्टी के वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला ने नई कोयला नीलामी नीति को लेकर सवाल उठाए हैं। शुक्रवार को उन्होंने ट्वीट कर कहा कि न्यू कोल आक्शन पालिसी के कारण आज देश को कोयले की

कमी का सामना करना पड़ रहा है शुक्ला ने ट्वीट कर लिखा, जब 'न्यू कोल आक्शन पालिसी' बनाई जा रही थी। तब मैं इस विधेयक पर संसद की प्रवर समिति में था। मैंने भविष्य में कोयले की कमी के बारे में चेतावनी देने वाले कुछ प्रावधानों का विरोध किया था, लेकिन तब सरकार ने नहीं सुना और आज हम बिजली कटौती की भारी समस्या का सामना कर रहे हैं। गौरतलब है कि कोयले की कमी के कारण देश में बिजली का संकट पैदा हो गया है। ऐसे में विपक्ष सरकार के खिलाफ मुखर है और इस समस्या के लिए पूरी तरह के देश की केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहरा रहा है। कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कहा है कि अदूरदर्शिता के चलते आज ज्यादातर राज्यों में 10 से 12 घंटे तक की बिजली कटौती हो रही है। कांग्रेस ने केंद्र सरकार का कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए कहा कि उत्पादन क्षमता होने के बावजूद कोयला नहीं पहुंच पाने के कारण थर्मल पावर प्लांट अपनी पूरी क्षमता के बिजली का उत्पादन नहीं कर पा रहे है। वहीं कांग्रेसी नेता राहुल गांधी ने भी एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बीते दिनों ही उन्होंने सरकार से कहा था कि नफरत का बुलडोजर चलाना बंद करे और देश के पावर प्लांट शुरू करें। राहुल गांधी ने सराकार को आगाह करते हुए कहा है कि ये संकट छोटे उद्योगों को खत्म कर देगा जिससे बेरोजगारी बढ़ेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिले गोवा के सीएम प्रमोद सावंत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शुक्रवार को गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने मुलाकात की। दोनों के बीच विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। गोवा के मुख्यमंत्री सावंत ने बताया,

'दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। उनके साथ विभिन्न मुद्दोंपर चर्चा हुई और मैंने गोवा के विकास संबंधित मामलों पर उनसे मार्गदर्शन करने को कहा।मुख्यमंत्री पद के लिए शपथ लेने के बाद प्रमोद सावंत दूसरी बार दिल्ली आए थे। बता दें कि मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की लगातार मानिटरिंग से गोवा देश में सबसे पहले राज्य के सभी घरों में पानी की सुविधा पहुंचाने में सफल रहा। इसी तरह घर-घर बिजली व्यवस्था हो या सभी को कोविड टीकाकरण, इन योजनाओं को भी सबसे पहले गोवा ने पूरा कर दिखाया। गोवा ऐसा राज्य है, जो खुले में शौच मुक्त(ओडीएफ) है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोवा मुक्ति दिवस समारोह के मौके पर मुख्यमंत्री सावंत के नेतृत्व में भाजपा सरकार की तेज गति से विकास कार्यों की सराहना की थी। उन्होंने कहा था, 'यहां जो सरकार है, वो गोवा की एक और पहचान सशक्त कर रही है। ये नई पहचान है- हर काम में अव्वल रहने वाले, टाप करने वाले राज्य की। बाकी जगह जब काम की शुरुआत होती है, या काम आगे बढ़ता है, गोवा उसे तब पूरा कर लेता है।भाजपा नेता प्रमोद सावंत ने मार्च अंत में लगातार दूसरी बार गोवा के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ भाजपा के आठ विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। भाजपा विधायक विश्वजीत राणे, रवि नायक, अतानासियो मोनसेरेट, मौविन गोडिन्हो, नीलेश कबराल, सुभाष शिरोडकर, रोहन खुंटे और गोविंद गौड़े ने राज्य के मंत्री पद की शपथ ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा इस शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए।

पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के तहत लाने पर बोले हरदीप सिंह पुरी

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने के लेकर केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बड़ा बयान दिया है। समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में उन्होंने कहा है कि ईंधन को जीएसटी के दायरे में पर केंद्र को कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन राज्य पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के तहत लाने के समर्थन में नहीं है। बातचीत के दौरान पुरी ने कहा है कि केंद्र को पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के तहत लाने में खुशी होगी। लेकिन यह भी एक बड़ा तथ्य है कि राज्य इसकों लेकर तैयार नहीं हैं। राज्य भारी मात्रा में पेट्रोल, डीजल और शराब से राजस्व की वसूली करते हैं। लेकिन जब कर्ज बढ़ता है, तो वो दूसरों को दोष देते हैं। अपने इस बयान को लेकर उन्होंने पंजाब का उदाहरण दिया है। पुरी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार ने ईंधन को लेकर अपनी जिम्मेदारी समझी है। लेकिन अब राज्यों को भी को पेट्रोल और डीजल पर वैट को कम करने के मुद्दे पर

जिम्मेदारी लेनी चाहिए। वहीं बातचीत के दौरान हरदीप सिंह पुरी ने बढ़ी हुई ईंधन की कीमतों पर रूस-यूक्रेन संघर्ष के प्रभाव का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हम अभी भी एक महामारी से उबर नहीं पाए हैं, देश के 80 करोड़ लोगों को अभी भी राशन दिया जा रहा है। साथ ही कोरोना के खिलाफ देशव्यापी टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे में यूक्रेन में सैन्य कार्रवाई के कारण तेल की कीमतें ऊए319.56 / बैरल से ऊए3130 तक बढ़ गई। केंद्र पेट्रोल-डीजल पर दीवाली तक 32 रुपए का उत्पाद शुल्क लगा रहा था। लेकिन बाद में इसे कम कर दिया गया, जिसके चलते ईंधन के दामों में गिरावट आई थी।पुरी ने कहा कि मोदी सरकार में ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी सबसे कम है। दशकों से मूल वेतन में वृद्धि हुई है साथ ही, सरकार विभिन्न श्रेणियों के तहत लोगों को मुफ्त योजनाएं दे रही है। उन्होंने ईंधन करों को लेकर विपक्ष शासित राज्यों की आलोचना के लिए उन पर निशाना साधा और कहा कि भाजपा शासित राज्य गैर-भाजपा राज्यों की तुलना में आधी वैट राशि वसूलते हैं।

रमजान की महत्वपूर्ण रात शबेकद्र एवं अलविदा जुमा

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

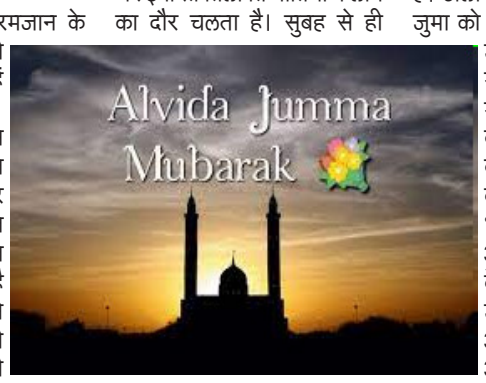

फूलपुर। पवित्र माह रमजान के तीस रोजों में चार ऐसी महत्वपूर्ण रातें हैं जिन्हें शबे कद्र कहा जाता है। इक्कीस, तेईस, पच्चीस और सत्ताईस की रात भर मस्जिदों में जागकर इबादत की जाती है आज सत्ताईस की रात अति महत्वपूर्ण मानी गई है इसमें अपने एवं अपने परिवार की गुनाहों की माफ़ी, मुल्क कौम की खुशहाली, तरक्की अमन की दुआ महामारियों से महफूज रहने की दुआ खुदाए पाक से मांगा करते हैं। आज की रात मस्जिदों में रात भर इबादतें तिलावत नातिया कलाम का दौर चलता है। सुबह से ही साफ सफाई करके मुस्लिम बंधु रब की रज़ा की दुआ मांगते हैं। इसी के साथ महत्वपूर्ण त्यौहार रमजान का अंतिम जुमा अलविदा भी लगा है। अलविदा की नमाज दोपहर में जुमा को हर मस्जिदों में अदा की जाएगी। फूलपुर की जामा मस्जिद, शेखपुर की मस्जिद, फिरोजपुर, बाबूपुर, के अलावा बाबूगंज, भुलई का पूरा, कोनार, अगहुआ, मैलहन, सलमापुर, भमई, कोड़ापुर, सौरहा, आदि की मस्जिदों में दोपहर के वक्त नमाज अदा की जाएगी। थानाध्यक्ष फूलपुर अमित कुमार राय के अनुसार तैयारियां नमाज अदा कराने हेतु पूरी कर ली गई हैं सभी मस्जिदों के पास पुलिस व्यवस्था मजबूत रहेगी।

दो दिनों में बिजली ब्योस्था ना सुधरी तो होगा बड़ा आन्दोलन

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर (प्रयागराज)। समाजवादी पार्टी के नेताओं कार्यकर्ताओं ने जिला उपाध्यक्ष नसीरुद्दीन राईन राईन के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी फूलपुर को तीन सूत्री ज्ञापन सौंपा जिसमे माहें रमज़ान के पवित्र माह में भीषण गर्मी से जीना दुभर हो गया है बा मुश्किल छे से सात घंटे बिजली मिल रही हैं वहीं भाजपा सरकार के आदेशों की अहवेलना हो रही है वहीं बिजली कटौती से एक ओर रोजदारों को शहरी अफ़तार वह तराबीह के वक्त बिजली काट दी जा रही है वहीं ईद की त्योहारों में व्यापारियों का व्यापार चौपट हो रही है दूसरी ओर नगर पंचायत के उदासीनता के कारण कर्मचारियो द्वारा मुस्लिम व दलित बस्तियों में साफ सफाई नहीं हो रहा जिससे नगरवासियों में भारी जन आक्रोश है तीसरा मुहल्ला इस्माईल गंज गफ्फार मछली वाले के घर सामने के दरवाजे व मुहल्ला शेखपुर पूर्वी में सगीर सलमानी के दरवाज़े के सामने नाली ना बनाये जाने से कई घरों के सामने गन्दे पानी का जल भराव के कारण तालाब में तब्दील है भीषण गन्दगी से लोग बीमारी के सिकार हो रहे हैं ज्ञापन के दौरान जिला उपाध्यक्ष नसीरुद्दीन राईन ने उपजिलाधिकारी को चेतावनी देते हुए कहा कि ये गंभीर समास्याओं का दो दिन में निस्तारण ना हुआ तो सड़क पर उतर कर धरना प्रदर्शन करने चेतावनी दी इस दौरान मुराद मंसूरी, शमसाद खान, सौरभ यादव, मो, इरफान, फिरोज राईन, विरेन्द्र यादव, सभाजीत पाल, अखिलेश यादव, परवेज आलम, वाजिद तुफानी, यहिया सिद्दीकी, अरकान सिद्दीकी, सकील कुरैशी, अरशद खान, महेन्द्र गुप्ता, आदि दर्जनों सपाई मौजूद रहे।

अशफाक अहमद को उत्तराखंड पिथौरागढ़ के प्रभारी बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं में हर्ष

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के द्वारा कांग्रेस नेता अशफाक अहमद को उत्तराखंड प्रदेश के पिथौरागढ़ का डीआरओ बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं में हर्ष तथा एक दूसरे को मिठाई खिलाकर दी बधाई इस अवसर पर अशफाक अहमद ने शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट करते हुए कहा कि नेतृत्व ने जो जिम्मेदारी दी है।उस भरोसे पर खरा उतरने की पूरी कोशिश होगी।कांग्रेस नेताओं के द्वारा बधाई देने वालों में।राजेश मिश्रा, मनीष मिश्रा, देवराज उपाध्याय, कमलाकांत मिश्रा, गोपाल कृष्ण द्विवेदी, डॉ मजहर आलम, किरन सिंह, भोलानाथ तिवारी, राजेश कुमार, दिवाकर भारतीय, मोहम्मद यूसुफ, बबलू प्रधान, साबिर अली, ईशा अली, गिरधारी लाल सरोज, महताब अली, आरके गौतम, तहजीबुल हसन, गुलाब यादव, मो. शफीक, डा. कृष्ण कुमार द्विवेदी, इश्तियाक अहमद, अम्बरीष पाण्डेय, सलीम टाइगर, आदि ने बधाई दी।

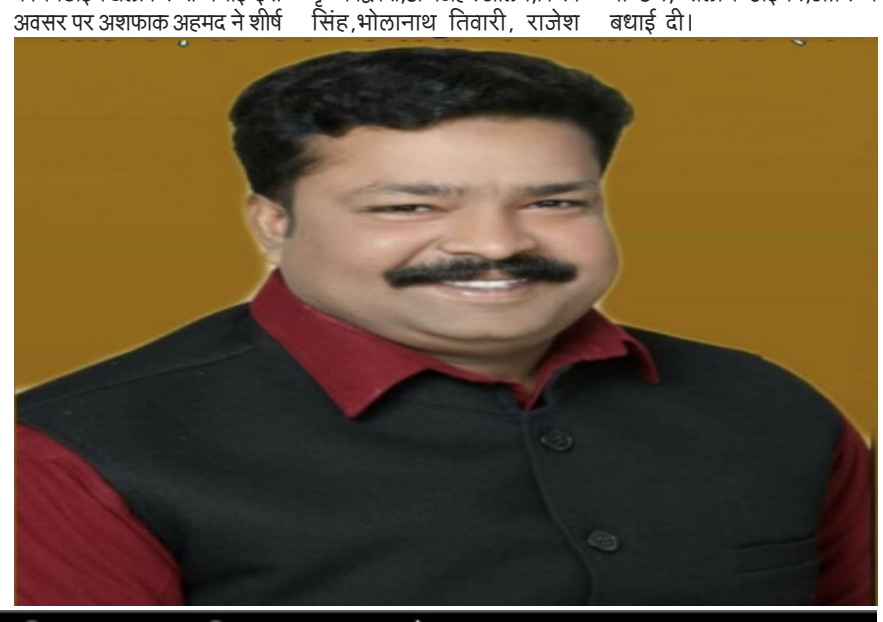

भूसे के ढेर में संदिग्ध परिस्थितियों में लगी आग

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। कोतवाली अंतर्गत कुसेहरा गांव में बृहसपतिवार दोपहर बाद मोहम्मद ताहिर के खेत में रखे भूसे के ढेर में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। मोहम्मद ताहिर ने पहले पीआरवी 112 को सूचना देकर बताया कि किसी ने रंजिश बस भूसे के ढेर में आग लगा दी। फिर तत्काल फायर टेंडर को सूचना दी गई। मोहम्मद मुर्तजा एवं ताराचंद अगिन्शमन कर्मी तत्काल मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

यमुनापार इलाके के नैनी मे युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। बृहस्पतिवार दोपहर नैनी के चाका गांव निवासी बृजेश सिंह (40) की गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया गया। वह अपने बच्चे को स्कूल से लेने जा रहे थे तभी मल्हरा रेलवे क्रासिंग के पास बाइक सवार बदमाशों ने बगल में आकर गोली मार दी जिससे घटनास्थल पर ही बृजेश सिंह की मौत हो गई। सुचना पर मौके पर एसपी यमुनापार और सीओ पहुंचकर जांच पड़ताल कर रहे हैं। चाका गांव निवासी बृजेश की हत्या की सुचना पर वहां भीड़ लग गई। परिवार के लोग भी रोते-बिलखते मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर पुलिस को कारतूस का खोखा मिला है। पुलिस का कहना है कि आसपास के लोगों से बातचीत की जा रही है। फिलहाल कातिलों का कोई सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस जांच में जुटी हुई है।

प्रयागराज के एसएसपी कार्यालय में शार्ट सर्किट से लगी आग, सभी दस्तावेज सुरक्षित

प्रयागराज। प्रयागराज के एसएसपी कार्यालय में शनिवार की दोपहर आगजनी की घटना हुई। अचानक लगी आग से वहां अफरा-तफरी का माहौल हो गया। तत्काल सूचना पाकर फायर ब्रिगेड कर्मी पहुंच गए। आनन-फानन में आग पर काबू पा लिया। इससे नुकसान नहीं हो सका। आग का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है चरित्र सत्यापन अनुभाग में लगी आग : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) दफ्तर स्थित चरित्र सत्यापन अनुभाग में शनिवार दोपहर अचानक आग लगने के बाद तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचित किया गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने किसी तरह आग पर काबू पाया। हालांकि आग से कुछ नुकसान नहीं हुआ केबल में शार्ट सर्किट से हादसा : एसएसपी आफिस परिसर में ही एसपी यमुनापार का कार्यालय है। उसी के बगल चरित्र सत्यापन अनुभाग है। दोपहर करीब एक बजे बिजली के केबल में शार्ट सर्किट होने से आग लग गई।

टेबलेट/स्मार्टफोन वितरण समिति की हुई बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। 2022 को प्रदेश के युवाओं के तकनीकी सशक्तिकरण हेतु टेबलेट /स्मार्टफोन वितरण योजना अंतर्गत जिलाधिकारी डा. नितिन बंसल की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक जिलाधिकारी कैंप कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक के दौरान नोडल अधिकारी /मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया द्वारा समिति को अवगत कराया गया की जनपद को प्राप्त स्मार्टफोन /टेबलेट में से विभिनन्‍ विभागों के संस्थानों में कोर्स के अंतिम वर्ष में अध्ययनरत कुल 5941 छात्र/ छात्राओं को टेबलेट वितरित किया जा चुका है।बैठक में संबंधित विभागों के नोडल द्वारा अवगत करवाया गया कि उनको पोर्टल पर पूर्ण विवरण प्राप्त करने में समस्या आ रही है,जिस पर जिलाधिकारी द्वारा इस संबंध में ल्ब्म्द को पत्र प्रेषित करने का निर्देश दिया गया।इसके साथ ही जिलाधिकारी द्वारा संबंधित विभागों के नोडल द्वारा अपने संस्थानों के साथ बैठक कर डीजी शक्ति पोर्टल पर पात्र छात्रों का लॉक्ड डाटा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।इसी के साथ उपायुक्त उद्योग को सह नोडल अधिकारी नामित करने एवं जिला तकनीकी समिति द्वारा आवश्यक तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया।जिलाधिकारी द्वारा सभी विभागों को पात्र छात्र-छात्राओं को जनप्रतिनिधि की उपस्थिति में वितरण कार्यक्रम कराने का निर्देश दिया गया। बैठक में बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र सिंह उपायुक्त उद्योग दिनेश कुमार चौरसिया, नोडल आईटीआई प्रधानाचार्य बीबी सिंह,जिला सेवायोजन अधिकारी विजय सेंगर सहित समिति के समस्त सदस्य मौजूद थे।

खेत तालाब योजना पर सरकार का बल

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के किसानों को सिंचाई, बुआई, बीज, खाद, कृषि उपकरण सहित लाभ पहुँचाते के साथ खेत तालाब योजना पर बल दे रही है। किसानों को हर स्तर पर सुविधा दे रहे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परम्परागत ढंग से सिंचाई के लिए खेत तालाब योजना लागू की है। यह योजना प्रदेश के सभी किसानों के लिए है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक किसान जो अपने खेतों के आसपास, बीच में तालाब बनायेगें, उन्हें राज्य सरकार की ओर से सब्सिडी प्रदान की जा रही है।प्रदेश सरकार की इस योजना को शुरू करने का उद्देश्य यह है कि बरसात का पानी जमा करा कर किसानों की खेती में सिंचाई की मात्रा को बढ़ावा देना है इससे किसानों को दोनों तरफ से लाभ प्राप्त होगा। किसान खेत में फसल की सिंचाई के साथ-साथ मत्स्य पालन भी कर सकते हैं। सरकार की खेत तालाब योजना से भूगर्भ जल में बढ़ोत्तरी भी हो रही है और किसानों की फसल में अच्छा उत्पादन भी हो रहा है।उत्तर प्रदेश खेत तालाब योजना किसानों के लिए शुरू की गयी है। इस योजना के माध्यम से प्रत्येक किसान जो अपने खेत के सामने या बीच में, जहां बारिश का पानी ज्यादा इकट्ठा होता है अगर वहां किसान तालाब बनाते हैं, तो किसानो को इस योजना के तहत 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी प्रदान की जाती है। इस तालाब को बनाने का मुख्य उद्देश्य यह भी है कि बरसात के मौसम में दो चार दिन तक लगातार बारिश के समय जो बरसाती पानी फसलों को बर्बाद कर देता है, उसे तालाब बना कर इकट्ठा कराया जाए, इससे किसानों की फसल सुरक्षित रहेगी और इकट्ठे पानी से किसानों को सिंचाई के लिए ट्यूबवेल का इस्तेमाल ज्यादा नहीं करना पड़ेगा। साथ ही जिन किसानों के पास सिंचाई के लिए मोटर सुविधाएं जो बिजली से चलती हो और वहां लाइट की सुविधा न पहुंच पा रही हो उस स्थिति में किसानों की खेती में सिंचाई के लिए पानी की सुविधा देने के लिए तालाब बनवाये जायें। ताकि किसानों को खेती में सिंचाई करने में किसी भी प्रकार की समस्या न उठानी पड़े। तालाबों में किसान बरसात एवं अन्य स्थानों से आने वाले पानी को एकत्र कर सकेंगे और अपनी फसलों को ठीक से सिंचित कर सकेंगे।इच्छुक लाभार्थी किसान राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई, इस योजना में लाभ लेना चाहते हैं, तो उन्हें योजना की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर आवेदन करना होता है। खेत तालाब योजना के शुरू होने से वे सभी किसान जो पहले पानी की समस्या को लेकर और तालाब बनाने के लिए असमर्थ थे अब वह आसानी से योजना का लाभ उठा कर अपने खेतों में तालाब का निर्माण कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश खेत तालाब योजना भूगर्भ जल के स्तर में वृद्धि लाने में भी सहायक हो रहा है। उत्तर प्रदेश खेत तालाब योजना का लाभ लेने के लिए किसान को उत्तर प्रदेश राज्य का निवासी होना अनिवार्य है। इस योजना का लाभ प्रदेश के अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक तथा लघु सीमान्त किसानों को भी मिलेगा। प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गयी इस योजना का लाभ परिवार में केवल एक ही किसान म के पास बैंक खाता होना आवश्यक है और बैंक अकाउंट आधार कार्ड से लिंक भी होना चाहिए।वर्तमान सरकार ने बुन्देलखण्ड क्षेत्र सहित प्रदेश के अन्य जनपदों में सिंचन क्षमता बढ़ाने के लिए खेत तालाब योजना का विस्तार करते हुए वर्ष 2017-18 में बुन्देलखण्ड क्षेत्र में 2549 खेत तालाबों एवं प्रदेश के अन्य अतिदोहित एवं दोहित जिलों में 835 खेत तालाबों का निर्माण कार्य पूर्ण कराया है। इस प्रकार वर्ष 2017-18 में प्रदेश में कुल 3384 खेत तालाबों का निर्माण कराया गया। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अन्तर्गत वर्ष 2018-19 में कुल 5000 खेत तालाबों का निर्माण कराया गया। योजनान्तर्गत निर्मित खेत-तालाबों पर स्पिंकलर सिंचाई प्रणाली की स्थापना हेतु लघु एवं सीमांत कृषकों को 90 प्रतिशत तथा अन्य कृषकों को 80 प्रतिशत अनुदान अनुमन्य है। वर्ष 2019-20 में योजनान्तर्गत 5261 तालाबों का निर्माण कराया गया। वर्ष 2020-21 में 4427 तालाबों का निर्माण कराया गया। वर्ष 2021-22 में 10000 खेत तालाब निर्माण लक्ष्य के सापेक्ष माह मार्च, 2022 तक 5860 खेत-तालाबों का निर्माण किया गया। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में मार्च, 2022 तक 27316 से अधिक खेत तालाबों का निर्माण कराया गया है, जिससे किसान अपनी हजारों एकड़ फसल की सिंचाई मत्स्य पालन करते हुए, खाद्यान्‍न उत्पादन कर आर्थिक स्थिति मजबूत कर रहे है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ध्येय है कि प्रदेश के किसान 'खेत तालाब योजना' का लाभ उठाते हुए अपना विकास करें। प्रदेश सरकार ने आगामी वर्षों में एक लाख खेत तालाब बनवाने का लक्ष्य रखा है, जिसको साकार करने के लिए कृषि विभाग के अधिकारी लगातार किसानों से सम्पर्क करते हुए तालाब बनवा रहे हैं।

अनियमित ढंग से क्षेत्र में बिजली कटौती

(आधुनिक समाचार सेवा)

मेजा (प्रयागराज)। रात की नींद हुई हराम दिन में कड़कती धूप गर्मी से त्रस्त रात में बिजली न रहने के कारण मेजा विधानसभा की जनता पूर्व विधायक नीलम करवरिया को पत्रों के द्वारा एवं खुद जाकर अवगत कराया एवं वर्तमान विधायक संदीप पटेल से भी आग्रह के साथ बिजली कटौती का संज्ञान लेने के लिए अवगत कराया साथ में जल्द ही बिजली व्यवस्था ठीक नहीं हुआ तो मेजा विधानसभा में बड़ा आंदोलन होगा ऐसा मेजा विधानसभा की जनता का कहना है।

क्षेत्र पंचायत मंगरौरा की बैठक 05 मई को

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। खण्ड विकास अधिकारी निशा तिवारी ने बताया कि प्रमुख क्षेत्र पंचायत मंगरौरा की अध्यक्षता में क्षेत्र पंचायत की सामान्य बैठक दिनांक 05 मई को पूर्वान्ह 11 बजे विकास खण्ड सभागार में की जायेगी जिसमें समस्त ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्यगण सम्मिलित होगें। बैठक में प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्यगण अपने प्रतिनिधि/परिजनों को भेजने के लिये अधिकृत नही होगें। बैठक में राज्य वित्त/पन्द्रहवॉ वित्त की वार्षिक कायर्योजना, कृषि कार्यक्रम, पेयजल, अल्प सिंचाई, पेंशन/मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम, स्वच्छ शौचालय कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आवास/मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण, एन0आर0एल0एम0 कार्यक्रम पर चर्चा की जायेगी।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 30 अप्रैल 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

बलिया मे आज शुक्रवार को अलविदा जुमे की नमाज कड़ी सुरक्षा व्यवस्था चाकचौबंद

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। पवित्र रमजान के पाक महीने का आखिरी जुमा यानी 27वें रमजान को अलविदा जुमा की नमाज आज शुक्रवार को शहर के विभिनन्न मस्जिदों समेत जिले भर के मस्जिदों में मुस्लिम लोग अदा करेंगे।अलविदा जुमे की नमाज को लेकर प्रशासन की ओर से सुरक्षा व शांति व्यवस्था के बाबत मस्जिदों के पास पुलिस की तैनाती भी की जाती है। इस नमाज की तैयारी को लेकर मस्जिद के जिम्मेदार लोगों द्वारा मस्जिदों की साफ-सफाई का काम कराया गया। रमजान महीने के अंतिम जुमा को अलविदा जुमा की नमाज पढ़ने के लिए बड़ी संख्या में मुस्लिम लोग मस्जिदों में पहुंचते हैं।पहली अजान होने पर मुस्लिम लोगों का मस्जिदों में दाखिल होने का सिलसिला शुरू हो जाता है। सभी लोग सुनन्त की नमाज पढ़ेंगे।इस दौरान सभी मस्जिदों के इमाम द्वारा फितरा की रकम यतीमों, गरीबों में बांटने के बाबत बताया जाएगा। इसके बाद दूसरी अजान होगी और इमाम द्वारा खुतबा पढ़ी जाएगी। अलग-अलग निर्धारित समय पर विभिनन्न मस्जिदों में अधिक युवा नमाजियों की संख्या रह रही है।आज इस आखिरी अलविदा के जुमे की नमाज मे मुस्लिम समुदाय के भाई देश के अमन चैन के लिए नमाज अदा करेंगे। जिले के बिल्थरारोड

अलविदा की नमाज इमाम द्वारा अदा की जाएगी। रमजानुल मुबारक के इस पवित्र महीने में नमाजियों की तादाद मस्जिदों में अन्य दिनों की अपेक्षा काफी बढ़ गई है।इसमें सबसे मे गुरूवार को देररात सीयर के चौकी प्रभारी राम दयाल ने पुलिस फोर्स के साथ बड़ी मस्जिद पहुंच कर जुमे की नमाज के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के लिए गहन जांच परख किया।

बलिया में विधायक केतकी सिंह के सामने तहसीलदार को धमकाने का वीडियो वायरल

बलिया। विधान सभा चुनाव के दौरान बाबा का बुल्डोजर ही खास चर्चा में रहा। चुनाव संपनन्न होने के बाद भी बुल्डोजर का शोर नहीं थमा है। स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी प्रशासन को निर्देश दिया है कि अवैध कब्जा हटाने में कोई कोताही न बरतें, लेकिन सहतवार थाना क्षेत्र उदहां ग्राम सभा में बुल्डोजर लेकर लेखपाल के साथ अवैध कब्जा हटाने पहुंचे बांसडीह के तहसीलदार प्रवीण कुमार सिंह को भाजपा विधायक केतकी सिंह की मौजूदगी में ही कार्यकर्ता राजू दूबे ने धमका दिया। तहसील प्रशासन के बुल्डोजर को लौटा दिया गया। कहा कि विधायक ने यह कार्रवाई रोकने के लिए कह दिया तो आपको 10 दिन काम रोकना पड़ेगा, नहीं तो हम तहसील में आग लगा देंगे। इस बात का वीडियो इंटरनेट मीडिया में वायरल होने लगा है। वीडियो में अधिकारी विवश हाल में दिख रहे हैं। वीडियो में कार्यकर्ता के बोलने से पहले विधायक केतकी सिंह भी तहसीलदार को समझा रहीं हैं कि आपको यह कार्रवाई रोकने के लिए एक बार बोल दिया है तो आपको मेरा सम्मान करना चाहिए, लेकिन आपने यह नहीं किया। इसके बाद कार्यकर्ता ने तेज आवाज में धमकी देनी शुरू कर दी है। जिसके बाद पूरी कानून व्यवस्था ही कठघरे में खड़ी दिखी। तहसील प्रशासन के अनुसार भगवान वर्मा ने ग्राम समाज की जमीन पर अवैध निर्माण कराया है। यह मामला न्यायालय में चल रहा है। न्यायालय के आदेश पर ही तहसीलदार अतिक्रमण हटाने पहुंचे थे। सूचना पर विधायक भी कार्यकर्ताओं के साथ उदहा पहुंच गईं। तहसीलदार से एक दिन के लिए कार्रवाई स्थगित करने के लिए कहने लगीं। लेकिन अधिकारी द्वारा न्यायालय के आदेश का हवाला दिया गया। इसके बाद विधायक की ओर से कार्रवाई रोकने को कहा गया। तहसीलदार के नहीं मानने पर कार्यकर्ता ने तीखी बहस शुरू कर दी। वीडियो वायरल होने के बाद जिले के लेखपाल संघ में आक्रोश दिख रहा है। तहसीलदार प्रवीण कुमार सिंह ने कहा कि उदहां गांव में ग्राम समाज की जमीन पर अवैध निर्माण कराया है। जिसे हटाने के लिए टीम गई थी। उस दौरान कुछ बहस हुई। विधायक को किसी ने गलत सूचना दी थी। वायरल वीडियो के संबंध में मुझे कोई जानकारी नहीं है। बुल्डोजर से निर्माण कार्य गिराए जाने के वायरल वीडियो को एसडीएम बांसडीह दीपशिखा सिंह ने संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि ग्राम उदहां, परगना खरीद के राजस्व अभिलेख में अंकित खाता संख्या 360 के आराजी नंबर 618 शौर्य स्थान के रूप में सुरक्षित है। यहां अतिक्रमण करके पिछले दो-तीन दिनों से नवनिर्माण किया जा रहा था। राजस्व व पुलिस की टीम ने अतिक्रमण हटवा दिया है। वायरल वीडियो प्रकरण में विधायक केतकी सिंह ने कहा कि उदहां निवासी श्रीभगवान वर्मा गुरुवार सुबह मेरे पास आए थे। उन्होंने शिकायत की थी कि लेखपाल व कानूनगो उनके घर को सरकारी जमीन पर बना बता कर गिराने की धमकी दे रहे हैं। निर्माण नहीं गिराने के एवज में 10 हजार रुपये मांग रहे हैं। पीडि़त के गांव जाकर मैने तहसीलदार से बात की, लेकिन द्वेष पूर्ण भावना से लेखपाल ने गरीब का आधा घर गिरा दिया था। उस जमीन पर पीड़ित की घर तीन पीढ़ियों से बना है। उसकी वह मरम्मत करा रहा था। कर्मचारी या अधिकारी सरकार को बदनाम करने की कोशिश करेंगे तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

गृहजनपद में तैनात बिजली थाना का आधे से अधिक कर्मी

गाजीपुर । पावर कारपोरेशन से जनपद में चोरी रोकने के लिए दो साल पहले सृजित विद्युत चोरी निरोधक पुलिस थाना के आधे से अधिक स्टाफ गृहजनपद में तैनात है। जिले में तैनात स्टाफ का ध्यान चोरी रोकने पर कम व्यक्तिगतहित साधने में अधिक रहता है। शासन ने बिजली चोरी रोकने और इससे जुड़े मुकदमों के मामलों में त्वरित कार्यवाही के लिए प्रत्येक जिला मुख्यालय पर बिजली थाना खोला है। रौजा पावर हाउस परिसर में 2019 में बिजली थाना स्थापित किया गया है। वर्ष 2020 की शुरुआत तक स्टाफ की तैनाती कर दी गई। गैरजनपदों से प्रभारी निरीक्षक, उपनिरीक्षक, हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल की तैनाती कर दी गई। थाने पर तैनात कुल नौ में से करीब छह स्टाफ कृष्णमोहन सिंह, राजाराम यादव, दीपक चंदेल, विपिन बिहारी राय, रणजीत यादव गाजीपुर जिले के ही रहने वाले हैं। शाम होते ही पुलिसकर्मी घर चले जाते हैं। इतना ही नहीं बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज होने के बाद वह सेटिग के खेल में जुट जाते हैं। नियमानुसार गृहजनपद में तैनाती नहीं दी जा सकती है। बावजूद इसके ये लोग जमे हुए हैं। बिजली थाने पर तैनात स्टाफ थाना स्थापित करने के दौरान कुछ लोग गैरजनपदों से अपने जिलों में स्थानांतरण होकर तैनाती पा गए हैं। ऐसे लोगों को चिन्हितकर उन्हें जहां से आए और गृहजनपद के अलावा तैनात किया जाएगा। जल्द ही जिले में तैनात लोग हटाए जाएंगे।

बेरोजगारों को दिया जाएगा ऋण, करें आवेदन

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। नगर पालिका परिषद बेल्हा के शहरी बेरोजगार रोजगार हेतु व्यक्तिगत ऋण व समूह ऋण प्रदान किया जाएगा। परियोजना अधिकारी डूडा ने बताया कि नगर पालिका परिषद बेल्हा प्रतापगढ़ सीमान्तर्गत निवासित शहरी गरीबों को दीनदयाल अन्त्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत स्वरोजगार कार्यक्रम नगर पालिका परिषद बेल्हा में संचालित की जा रही है। उन्होंने बताया कि योजनान्तर्गत शहरी बेरोजगार रोजगार करने एवं रोजगार बढ़ाने हेतु व्यक्तिगत ऋण अधिकतम धनराशि रूपये 2 लाख एवं समूह ऋण अधिकतम धनराशि रूपये 10 लाख तक ब्याज सब्सिडी ऋण हेतु आवेदन कर सकते हैं।इच्छुक शहरी बेरोजगार जिनकी वार्षिक आय रूपये 1 लाख से कम हो ऋण आवेदन पत्र जिला नगरीय विकास अभिकरण डूडा कार्यालय प्रतापगढ़ से निःशुल्क प्राप्त कर सकते है, जिन लाभाथिर्यों की ऋण बैंकों से स्वीकृत/वितरण होगा उन्हें ब्याज सब्सिडी के रूप में 7 प्रतिशत से अधिक लगने वाले ब्याज को सब्सिडी के रूप में लाभार्थी के ऋण खाते में दी जायेगी। लाभार्थी आवेदन के साथ आधार कार्ड, बैंक पासबुक की फोटोकापी, शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, 02 फोटो, आय प्रमाण पत्र की छायाप्रति आवेदन के साथ संलगन्‌ कर जमा कर सकते है।

बीटों पर जाकर समस्याओं का निस्तारण करें महिला आरक्षी

आजमगढ़। पुलिस अधीक्षक ने गुरुवार को वार्षिक निरीक्षण के तहत गुरुवार को सिधारी व जहानागंज थाने की व्यवस्था को परखा। इस दौरान साफ-सफाई बेहतर न मिलने पर दोनों थाना प्रभारियों के प्रति नाराजगी जताई। उन्होंने शक्ति मिशन के तहत प्रभावी चेकिग एवं महिला बीट आरक्षियों को नियमित रूप से अपने बीटों पर जाकर महिलाओं की समस्याओं से अवगत होकर रिपोर्ट प्रेषित करने का निर्देश दिया। प्रभारी सीसीटीएनएस जहानागंज अमित कुमार गुप्ता व मुख्य आरक्षी रोहित कुमार गुप्ता द्वारा वर्ष 2013 से अब तक जघन्य अपराधों, गैंगस्टर के प्रकरण में निस्तारण की स्थिति अपडेट मिली। उन्होंने दोनों का उत्साहवर्धन करते हुए एक-एक हजार रुपये का पुरस्कार दिया। सिधारी थाना के वार्षिक निरीक्षण में उन्होंने काफी संख्या में लावारिस वाहन देख कमेटी का गठन कर निस्तारण की कार्रवाई का निर्देश दिया। कहा कि समय-समय पर स्थान बदलकर प्रभावी चेकिग की जाए। शराब की अवैध बिक्री व भंडारण पर कठोर कार्रवाई करें। जहानागंज का निरीक्षण करते समय साफ-सफाई संतोष जनक नहीं मिली। इस पर उन्होंने नाराजगी जाहिर की। कहा कि जनता की समस्याओं का निस्तारण किया जाए और गांवों में गश्त बढ़ाई जाए।

अब जिला पंचायत में 'हैसियत' के आधार पर मिलेगा काम

जागरण । जिला पंचायत में अब ठेकेदारों का जुगाड़ नहीं चलेगा। अब हैसियत प्रमाण पत्र के आधार पर काम मिलेगा। जिला पंचायत कार्यालय की ओर से इस आशय का आदेश जारी कर दिया गया है। पहली बार जिले स्तर पर

ठेकेदारों की कैटेगरी में यानी श्रेणी में बांटा गया है। बीस लाख रुपये से अधिक की हैसियल प्रमाण पत्र रखने वाले ठेकेदारों को 'ए' श्रेणी में स्थान दिया गया है। पंजीयन व नवीनीकरण फीस दस हजार व लाइसेंस शुल्क पांच हजार तय किया गया है। जमानत राशि के रूप में अब एक लाख रुपये जमा करना होगा। इस श्रेणी के ठेकेदारों को लाखों करोड़ों का काम मिल सकेगा। इनके लिए कोई सीमा निर्धारित नहीं की गई है। इसी प्रकार दस लाख की हैसियत प्रमाण पत्र वाले ठेकेदारों को 'बी' श्रेणी में रखा गया है। इन ठेकेदारों को कुल जमानत राशि पचास हजार रुपये जमा करने होंगे। दस हजार पंजीयन शुल्क व तीन हजार लाइसेंस शुल्क भी देय होगा। इन ठेकेदारों को 25 लाख रुपये तक काम मिलेगा। इससे अधिक नहीं। इसी प्रकार पांच लाख की हैसियत प्रमाण पत्र वाले ठेकेदारों को 'सी' श्रेणी में स्थान दिया गया है। इन्हें पंजीयन शुल्क दस हजार , दो हजार लाइसेंस शुल्क देना होगा। इस श्रेणी के ठेकेदारों को दस लाख रुपये तक काम मिल सकेगा। यह आदेश जिला पंचातय अध्यक्ष पूनम मौर्या, अपर मुख्य अधिकारी अनिल कुमार सिंह व जिला अभियंता अनिल श्रीवास्तव की ओर से संयुक्त रूप से जारी किया गया है। हरहुआ क्षेत्र पंचायत की गुरुवार को आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुए ब्लाक प्रमुख विनोद कुमार उपाध्याय बब्बू ने कहा कि प्रधान व बीडीसी का मान सम्मान व समस्या हल करना ही हमारी प्राथमिकता है। बीडीओ हरहुआ धर्मेंद्र प्रसाद द्विवेदी ने शासन द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी ग्राम प्रधानों व बीडीसी सदस्यों को विस्तार से दी।

वाराणसी में दो सप्ताह में तीन गुना तक बढ़ गए कोरोना संक्रमण के मामले चौथी लहर की दस्तक से बढ़ी चिंता

वाराणसी। कोरोना संक्रमण की चौथी लहर की आशंका के बीच वाराणसी में कोरोना के मामले भी अब लगातार बढ़ने के साथ ही चुनौती देने लगे हैं। दो सप्?ताह में तीन गुना तक मरीजों की संख्?या पहुंच गई है। कोरोना संक्रमण का यह आंकड़ा न सिर्फ चौंका रहा है बल्कि सतर्क भी कर रहा है कि अब सचेत हो जाने का समय आ चुका है। वाराणसी में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है। गुरुवार की शाम को प्राप्?त रिपोर्ट में पांच नए कोरोना संक्रमित मरीज सामने आए हैं। इस प्रकार जिले में कुल सक्रिय मामले बढ़कर 16 तक पहुंच गए हैं। वाराणसी में एक पखवारे पूर्व कोरोना संक्रमण के मात्र तीसरे लहर के मरीज ही दो चार शेष थे। इसके बाद पिछले सप्?ताह पांच संक्रमितों से बढ़ते हुए अब कोरोना संक्रमण के मामले 16 यानी तीन गुना तक दो सप्?ताह में मामले हो चुके हैं। इस लिहाज से अब वाराणसी में अगर मामले जल्?द ही नियंत्रित नहीं हुए तो चौथी लहर की सक्रियता का दौर स्?पष्?ट नजर आने लगेगा। वैसे भी देश भर में सक्रिय मामलों में लगातार इजाफा होने के साथ ही मौतों का दौर भी शुरू हो चुका है और कोरोना के केस लोगों को चिंता में डालने लगे हैं। वाराणसी में गुरुवार की शाम इस सीजन में सर्वाधिक पांच मामले एक ही दिन और एक साथ ही सामने आए हैं। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए पूर्व में ही जिले के अस्?पतालों में मास्?क अनिवार्य किया जा चुका है। इसके बाद भी कोरोना संक्रमण के खतरों को लोग नजरअंदाज करते हुए खुले में घूमते नजर आ रहे हैं। माना जा रहा है कि ईद और अक्षय तृतीया का दिन तीन मई बीतने के बाद सरकार कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए कड़े फैसले ले सकती है। वहीं त्?योहारी और कारोबारी सीजन के साथ ही वैवाहिक आयोजनों में भी लापरवाही का क्रम और जारी रहा तो कोरोना के मामले तेजी से बढ़ सकते हैं। माना जा रहा है कि इस बार चौथी लहर में पूर्व में सक्रिय रह चुके वैरिएंट एक साथ प्रभावी हो रहे हैं। कोरोना के मामलों को देश में देखकर विशेषज्ञ यह मान रहे थे कि मध्?य जून तक कोरोना का चरम आ सकता है। ऐसे में कोरोना के लगातार बढ़ रहे मामले संक्रमण में इजाफा का ही संकेत दे रहे हैं। वहीं मई के पहले सप्?ताह के बाद माना जा रहा है कि शासन और प्रशासन कोरोना को लेकर कड़े कदम उठा सकते हैं।

वाराणसी में बोले उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक

वाराणसी । प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और वाराणसी मंडल के प्रभारी बृजेश पाठक ने कहा कि शहर और जिले को सुंदर व सुव्यवस्थित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। पहली बार प्रभारी बनने के बाद आया हूं तो सभी को शुभकामनाएं। आप सभी से फीडबैक लेकर आगे विकास के सभी काम पूरे किए जाएंगे। वाराणसी मंडल का प्रभारी मंत्री का दायित्व उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को दिया गया है। प्रभारी बनने के बाद वह शुक्रवार को पहली बार आये। एयर पोर्ट और सर्किट हाउस में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। वह सर्किट हाउस में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार वाराणसी मंडल के जनपदों के अधिकारियों के साथ बैठक और समीक्षा करेंगे। दो बजे से वह भाजपा पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। साढ़े तीन बजे के करीब वह जनपद में भ्रमण पर निकलेंगे। इस दौरान वह सीएचसी, पीएचसी, गेहूं क्रय केंद्र, प्राथमिक विद्यालय भी जा सकते हैं। इस दौरान वह विकास कार्यों को भी देखेंगे। वहां से लौट कर इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल रूम देखेंगे। रात्रि विश्राम के बाद अगले दिन 30 अप्रैल को सुबह आगामी ईद के मद्देनजर पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे और दिन में 11 बजे चंदौली जाएंगे। वहां पर विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। वहां रात्रि विश्राम कर अगले दिन वापस लखनऊ चले जाएंगे। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का एयरपोर्ट पर : शुक्रवार सुबह 10:30 बजे इंडिगो के विमान से वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट पर उपमुख्यमंत्री और वाराणसी मंडल प्रभारी बनने के बाद प्रथम काशी आगमन के अवसर पर ब्रजेश पाठक का स्वागत हुआ। स्वागत करने वालों में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रोटोकॉल टीम के सदस्य शैलेश पांडेय,महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय, जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, जिला उपाध्यक्ष पवन सिंह ,बबलू मिश्रा, मनीष पाठक, एडीएम प्रोटोकोल बच्चू सिंह, एसडीएम पिंडरा राजीव राय अरविंद मिश्रा, हौसला पांडेय, प्रवेश दुबे, शैलेश मिश्रा, बृजेश दुबे, समेत दर्जनों भाजपाई उपस्थित रहे। काशी में आज एक मंच पर जुटेंगे पांच मंत्री, औद्योगिक नीतियों पर होगी चर्चा : इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आइआइए) वाराणसी के संयोजन में पूर्वांचल के लगभग सभी औद्योगिक संगठनों के सहयोग से शुक्रवार को दोपहर बाद चार बजे 'उद्यमी महासम्मेलन' का आयोजन किया गया है। आयोजन रुद्राक्ष अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं सम्मेलन केंद्र में होगा। इसमें पूर्वांचल के करीब 500 उद्यमी भाग लेंगे।आयोजन में औद्योगिक विकास एवं निर्यात प्रोत्साहन मंत्री नंद गोपाल नंदी, श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, स्टांप एवं पंजीयन राज्यमंत्री रवींद्र जायसवाल, आयुष एवं खाद्य सुरक्षा राज्यमंत्री डा. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' मंच की शोभा बढ़ाएंगे। कार्यक्रम में औद्योगिक विकास की नीतियों पर चर्चा के साथ ही विकास का रोडमैप तैयार किया जाएगा।

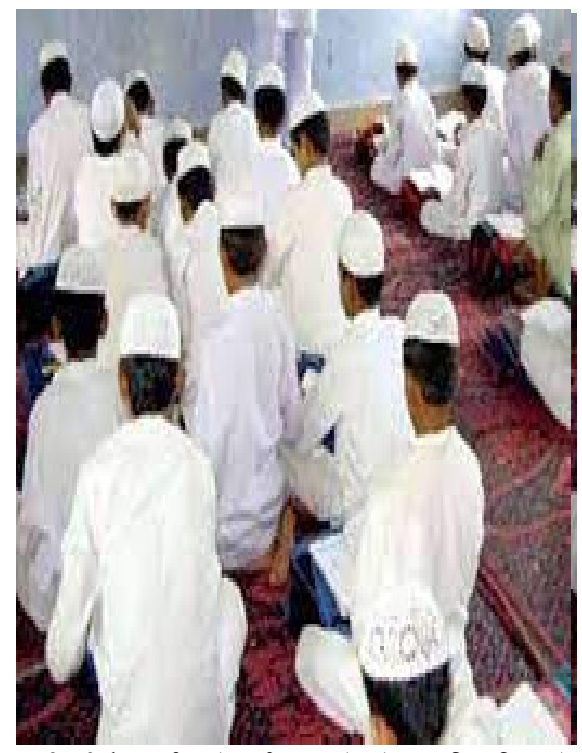

वाराणसी में 72 मदरसों की जांच शुरू

वाराणसी । मदरसा आधुनिकीकरण योजना (एसपीईएमएम) से आच्छादित जिले के 72 मदरसों में हुए कार्यों की जांच की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में जनपद में नगरीय व ग्रामीण क्षेत्र के लिए अलग-अलग कमेटी

बनाई गई है। नगरीय क्षेत्र की कमेटी में उप जिलाधिकारी, नगर शिक्षा अधिकारी के अलावा अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, नगर पंचायत व नगर आयुक्त की ओर से नामित अवर अभियंता को रखा गया है। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र में उप जिलाधिकारी , खंड शिक्षा अधिकारी व खंड विकास अधिकारी की ओर से नामित अवर अभियंता को शामिल किया गया है। जांच की जद में शामिल जिले के मदरसों की भौतिक अवस्थापना सुविधाओं यानी भूमि, भवन, किरायानामा जांच मुख्य रूप से होगी। जांच अधिकारियों को 15 मई तक रिपोर्ट देनी है। यह रिपोर्ट एसडीएम के माध्यम से शासन को भेजी जाएगी। केंद्र की ओर से संचालित मदरसा आधुनिकीकरण योजना तहत मुस्लिम बच्चों को आधुनिक शिक्षा देने पर बल है। योजना के संचालन के लिए प्रत्येक मदरसे में तीन अतिरिक्त शिक्षक रखे जाते हैं। ताकि बच्चों को पारंपरिक शिक्षा के साथ विज्ञान, गणित, अंग्रेजी, हिंदी व सामाजिक अध्ययन आदि विषयों का ज्ञान मिल सके। सनतक पास शिक्षक को छह हजार व परासनतक शिक्षक को 12 हजार रुपये मानदेय दिया जाता है। राज्य सरकार की ओर से अलग से अतिरिक्त मानदेय दिया जाता है। बताया जा रहा है कि बहुतायत मदरसे कागज पर संचालित हैं। एक ही सोसायटी कई मदरसों को संचालित कर रही है। इस योजना में शिक्षकों की बिना तैनाती के मानदेय लिया जा रहा है। इस तरह की तमाम शिकायतों को देखते हुए शासन ने प्रदेश में संचालित 7742 मदरसों की जांच का निर्देश दिया है।

पांच साल में भी नहीं वन सका शवदाह गृह

पवई (आजमगढ़)। पवई विकासखंड के राजस्व गांव चकिया एवं अंडिका में शवदाह गृह निर्माण में जिम्मेदारों ने खूब खेल खेला। 2016-17 में शवदाह गृह के निर्माण के लिए ग्राम चकिया और अंडिका ग्राम में शासन द्वारा 24-24 लाख रुपये का आवंटन हुआ था, लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता से पांच वर्ष बाद भी नहीं बन सका। जिस समय निर्माण शुरू हुआ उस समय ग्रामीणों में आस जगी कि शवदाह के लिए हमें दूर नहीं जाना पड़ेगा। अपने गांव में ही शवदाह की सुविधा आसानी से मिल जाएगी। इसके लिए शासन स्तर से गांव के किनारे से गुजर रही मंजूषा नदी के किनारे शवदाह गृह निर्माण के लिए शासन से धन अवमुक्त हुआ था। जहां सनन गृह, विश्राम स्थल, टीन शेड, स्वच्छ जल मुहैया कराने के लिए नल एवं शवदाह स्थल पर इंटरलाकिग की व्यवस्था होनी थी। ग्राम चकिया में केवल पिलर खड़ा कर दिया गया और एक कमरा बनाकर 24 लाख रुपये खर्च दिखा कर इतिश्री कर दी गई। अंडिका गांव में 24 लाख रुपये एक कमरा और दो चबूतरा बनाकर छोड़ दिया गया। शवदाह गृह निरर्थक साबित हो रहा है, जिससे गांव के ग्राम वासियों को शवदाह के लिए दूर जाना पड़ता है। इससे समय और पैसे की बर्बादी होती है। जिले की अंतिम सीमा होने की वजह से उच्चाधिकारियों का यहां तक आना नहीं होता है।

मिशन शक्ति फेज 4.0 के तहत सरकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार कर आम जनमानस को किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। महिला कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश लखनऊ के तत्वावधान में बृहस्पतिवार को जनपद सोनभद्र के राबर्ट्सगंज ब्लाक के न्यू कालोनी स्थित आंगनवाड़ी केंद्र पर मिशन शक्ति फेज 4.0 के अंतर्गत सरकार द्वारा चलाए जा रहे हैं योजनाओं का प्रचार प्रसार कर जनमानस को जागरूक किया गया। वही महिला शक्ति केंद्र से जिला समन्वयक साधना मिश्रा द्वारा बताया कि जन्म से लेकर बारहवीं तक के बच्चियों के पढाई लिखाई के लिए सरकार के द्वारा पन्द्रह हजार रुपये का अनुदान राशि कन्या सुमंगला योजना के अंतर्गत दिया जा रहा है। साथ ही घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न के बारे में भी जानकारी दिया गया। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण इकाई से सामाजिक कार्यकर्ता रोमी पाठक व ओ आर डब्लू शेषमणि दुबे द्वारा मुख्यमंत्री बालसेवा सामान्य व मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना कोविड 19 के बारे में व वृद्धा विधवा दिव्यांग पेंशन के बारे

में विस्तार से बताया। तथा महिला शक्ति केंद्र की जिला समन्वयक सीमा द्विवेदी द्वारा उपस्थित लोगो को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ एवम महिला हित में चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया गया। कार्यक्रम के अंत में बाल विकास परियोजना अधिकारी रामचंद्र द्वारा उपस्थित महिलाओं से अपील किया गया की ज्यादा से ज्यादा फार्म भरवाकर लोगो को योजनाओं से लाभान्वित कराएं। इस दौरान आशा,आंगनवाड़ी कार्यकर्ती महिलाएं और बच्चे सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

सोनभद्र को अलग पूर्वांचल राज्य की मांग कर रहे संगठन पूर्वांचल राज्य जनमोर्चा

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। संगठन प्रमुख पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मांग किया कि सोनभद्र जनपद आदिवासी क्षेत्र होने के साथ-साथ वन एवं पहाड़ो से आच्छादित है तथा बिहार, झारखंड , छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश की सीमाओं से जुड़ा हुआ है किंतु आज भी शिक्षा के क्षेत्र में काफी पिछड़ा हुआ है मोर्चा मांग करता है कि विंध्याचल मंडल में जो विश्वविद्यालय स्थापित करने का प्रस्ताव है उसे जनपद सोनभद्र में ही स्थापित किया जाए क्योंकि सोनभद्र जनपद लगभग डेढ़ सौ किलोमीटर के क्षेत्रफल में फैला हुआ है तथा उच्च शिक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है जबकि मिर्जापुर एवं भदोही से सटे हुए जनपदों में विश्वविद्यालय हैं इसलिए उन लोगों को शिक्षा ग्रहण करने में कोई परेशानी नहीं होती किंतु जनपद सोनभद्र के चारों तरफ चार प्रदेश होने के बावजूद यहां के लोग उच्च शिक्षा से वंचित हैं अतः मोर्चा मांग करता है कि विश्वविद्यालय यहीं पर स्थापित हो ! जिससे यहां के लोग आदिवासी बहुल क्षेत्र में शिक्षा ग्रहण कर सके और यहां के लोग उच्च शिक्षा प्राप्त कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें क्योंकि शिक्षा ही एक ऐसा

माध्यम है जिससे लोग समाज से जुड़ सकते हैं तथा अपने जनपद को पिछड़ेपन से दूर करने में सहयोग कर सकते हैं इसके लिए जल्द ही मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा सिंह की अध्यक्षता में तीन सदस्य संजीव कुमार उर्फ काकु सिंह ईश्वर जायसवाल एडवोकेट व नवीन कुमार पांडेय एडवोकेट की प्रतिनिधिमंडल प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री से मिलकर जनपद सोनभद्र में विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए ज्ञापन देगा प्रेषक - काकु सिंह प्रदेश प्रवक्ता पूर्वांचल राज्य जनमोर्चा

पल्हारी में रीडिंग कैंपेन डेमो वर्कशॉप संपन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। कंपोजिट विद्यालय पल्हारी नगवा सोनभद्र में हंड्रेड डेज रिगिंग कैंपेन के अंतिम दिवस

पर 28 अप्रैल 2022 को विद्यालय सभागार में डेमो वर्कशॉप का आयोजन किया गया जिस का संचालन डॉक्टर बीके सिंह महादेव ब्लॉक स्काउट शिक्षक नगवा सोनभद्र ने किया. बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में विगत 3 महीने से रिगिंग कैंपेन कार्यक्रम 100 दिनों तक चला जिसका समापन समारोह डेमो वर्कशॉप के रुप में मनाया गया. वर्कशॉप में पठन पाठन से संबंधित चर्चा के साथ कहानी और कविता का श्रवण किया गया और डॉ बृजेश महादेव द्वार शैक्षणिक रूप से गांव के अग्रणी युवक श्री इंद्रजीत सिंह कमरों के जीवन पर प्रकाश डाला गया. व गांव का ही प्रसिद्ध स्थान जलेश्वर महादेव अर्थात मच्छर मारा के बारे में बताया गया. बच्चों द्वारा सुलेख लेखन पुस्तक वाचन एवं काव्य पाठ भी किया गया. इस अवसर पर ज्ञानेश त्रिपाठी रमेश कुमार शिव शंकर पवन सिंह दीपक मौर्य उर्मिला देवी द्वारा छात्रों के सीखने और पढ़ने के कौशल प्रकाश डाला गया. वर्कशॉप में कुमारी पूजा एवं फूल झरिया देवी बतौर अतिथि आमंत्रित थी. इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री केदारनाथ द्वारा सभी बच्चों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई. अंत में विशिष्ट बच्चों को सम्मानित करते हुए डॉक्टर बृजेश द्वारा वर्कशॉप समापन की घोषणा की गई।

जान जोखिम में, लटककर स्कूल जा रहे बच्च

मीरजापुर । बच्चों की सुरक्षा को लेकर हम कितने भी दावे करें, लेकिन धरातल पर सब खोखले ही दिखते हैं। हालात यह है कि अभिभावक थोड़ा सा पैसा बचाने के लिए बच्चों की सुरक्षा से समझौता करने से भी नहीं चूक रहे हैं। अक्सर बच्चे जान जोखिम में डालकर और लटककर स्कूल जाते हुए दिख जाएंगे। स्कूल प्रबंधन, वाहन चालक व अभिभावकों की ऐसी लापरवाही नौनिहालों पर भारी पड़ सकती है। थोड़े से आर्थिक लाभ के लिए चालकों द्वारा आटो में ठूस-ठूस कर बैठाए जा रहे हैं बच्चे। कभी कोई दुर्घटना होने पर सारा ठीकरा प्रशासनिक अमले पर फोड़कर हम अपनी जिम्मेदारी से इतिश्री कर लेते हैं। स्कूल ले जाते समय निजी वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाना आम बात है। वहीं जिन पर बच्चों को सुरक्षित पहुंचाने की जिम्मेदारी हैं, वह चालक भी वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाने से भी गुरेज करते हैं।मानवीय ष्टिकोण से स्कूल संचालकों के कृत्य पर प्रशन् चिन्ह लगता है। वहीं दूसरी तरफ जब कोई घटना घट जाती है तब ही संबंधित को जिम्मेदारी का बोध होता है। अगर समय रहते ही अपने कर्तव्यों को समझ लिया जाए तो ऐसी घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। स्कूल प्रबंधन व चालक के साथ अभिभावक भी लें िम्मेदारी :

आरटीओ मीरजापुर : क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय एवं मीरजापुर स्कूल एसोसिएशन के तत्वावधान में लोहिया तालाब स्थित डैफोडिल्स पब्लिक स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें वाहन चालक, परिचालक संग अभिभावकों को भी यातायात के नियम और सुरक्षा के बारे में जानकारी दी गई। संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन आरके वर्मा ने कहा कि चालक एवं विद्यालय के साथ यह अभिभावकों की भी िम्मेदारी है कि वह परिवहन एवं यातायात के नियमों को जानें। चालकों को बताया कि वाहन में रेजिस्ट्रेशन, परमिट, प्रदूषण, बीमा आदि दस्तावे ा है। उनका संज्ञान रखें। उनको समय से पूर्ण रखें। स्कूल वाहन में सुरक्षा हेतु जाली लगवाएं ताकि बच्चे हाथ बाहर न निकाल सकें। वाहन में फ?र्स्ट-एड बॉक्स एवं अगिन्शमन यंत्र भी रखें। नए नियम एवं बदलाव को बताया। स्कूल को छात्रों को भी सुरक्षा हेतु शिक्षा देनी चाहिए ताकि आपातकालीन स्थिति में वह अपनी एवं सहपाठियों की सहायता कर सकें। यातायात प्रभारी विपिन कुमार पांडेय, एसोसिएशन अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, सचिव अनंत राज भंडारी, संयुक्त सचिव अभिषेक कुमार सिंह, सदस्य विवेक बरनवाल, पारितोष बजाज रहे। स्कूल संचालकों को अनफिट वाहन का संचालन नहीं करने की सख्त हिदायत दी है। स्पष्ट निर्देश दिया है कि अनफिट स्कूल वाहन सड़क पर चलते हुए मिले तो मोटर एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी साथ ही एफआइआर भी दर्ज कराया जाएगा। संजय कुमार तिवारी, संभागीय परिवहन अधिकारी विध्याचल मंडल।बच्चे को वाहन पर बैठाते समय अभिभावक ध्यान दें ये बातें खिड़कियों में शीशे के साथ जाली लगा हो। वाहन में क्षमता से अधिक बच्चे न बैठे हों। वाहन के दरवाजे में मजबूत लाक अवश्य हो। वाहन चालक के अलावा एक सहायक भी हो। वाहन पर स्कूल का नाम व फोन नंबर दर्ज हो। स्कूल अथवा निजी वाहन में अगिन्शमन यंत्र हो। वाहन चालक की गतिविधियों पर भी रखें नजर।

खडिया में केबल चोरी करते समय थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।

(आधुनिक समाचार सेव)
शैलेन्द्र कुमार

सोनभद्र। शक्तिनगर -थाना शक्तिनगर क्षेत्रान्तर्गत एनसीएल खडि़या में केबल चोरी करते समय थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा एक अभियुक्त रुपचन्द शर्मा पुत्र रामचन्द शर्मा निवासी हरदवा बस्ती, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार कर कब्जे से एक अदद केबल 4.5 मीटर लम्बी जिसकी मोटाई 3 इन्च बरामद किया गया । उक्त के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 44/22 धारा 379, 411 भादवि व 3(2) क लोक सम्पत्ति क्षति निवारण अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर उपरोक्त अभियुक्त को माननीय न्यायालय भेजा गया।

जिला सीतापुर के ऐलिया ब्लाक के सामुदायिक केंद्र में बीपीएम ने मांगी ए.एन.एम से रिश्वत

(आधुनिक समाचार सेव)
आशीष त्रिवेदी

सोनभद्र। जहां एक तरफ सूबे के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक बराबर दौरों से स्वास्थ्य विभाग को दुरुस्त करने में लगे हुए हैं वही विभागीय अधिकारी अपने नीचे के स्टॉप से मांग रहे हैं रिश्वत सीतापुर के ऐलिया ब्लाक के सामुदायिक केंद्र में तैनात बीपीएम द्वारा 10000 मांगे जाने को लेकर प्रार्थिनी गार्गी वाजपेई ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ,उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक एवं स्वास्थ्य निदेशक के यहां लगाई गुहार लगाई है। सीतापुर सीएमओ से इस मामले पर बात करने पर उन्होंने बताया कि अभी मुझे इसी प्रकार की कोई भी सूचना नहीं।

100 दिन में हाईटेक संग वाई फाई से लैस होंगे राजकीय विद्यालय

मीरजापुर । आगामी 100 दिन में विंध्याचल मंडल के सभी माध्यमिक विद्यालय हाईटेक सुविधाओं संग वाई-फाई से लैस होंगे। माध्यमिक विद्यालयों की अपनी वेबसाइट बनेगी साथ ही इनमें पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों की व्यक्तिगत ईमेल आईडी बनेगी। राजकीय विद्यालयों में बायोमेट्रिक अटेंडेंट से अब छात्र-छात्राओं की उपस्थिति दर्ज की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी विजन के चलते मंत्रिमंडल के समक्ष प्रस्तुत विभागीय प्रस्तुतीकरण में 100 दिन की कायर्योजना में निम्न बिदु भी सम्मिलित किया गया है। मुख्यमंत्री की योजना को मूर्तरूप देने के लिए शिक्षा निदेशक माध्यमिक डा. सरिता तिवारी ने संयुक्त शिक्षा निदेशक को दिशा निर्देश जारी किया है। विंध्याचल मंडल के मीरजापुर में 61, सोनभद्र में 46 तथा संत रविदास नगर भदोही में 38 सहित कुल 145 राजकीय विद्यालय संचालित हो रहे हैं। मंडल के सभी राजकीय विद्यालयों को वाई फाई की सुविधाओं के साथ ही छात्र-छात्राओं संग शिक्षकों को बायोमेट्रिक अटेंडेंस देना होगा। इससे शिक्षकों के विद्यालय आने में मनमानी पर भी अंकुश लग पाएगा।संयुक्त शिक्षा निदेशक कामता राम पाल ने बताया कि विंध्याचल मंडल के सभी राजकीय, सहायता प्राप्त और स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों की वेबसाइट बनाई जाएगी। सूचनाओं को छात्र-छात्राओं को आसानी से पहुंचाने के लिए प्रत्येक छात्र- छात्रा की ईमेल आईडी भी बनाई जाएगी। विद्यालयों को बनाया जा रहा संसाधनयुक्त राजकीय विद्यालयों को वाई फाई सुविधा युक्त बनाने के लिए संसाधनों से लैस करने की कवायद आरंभ हो गई है। विद्यालयों में ब्राड बैंड कनेक्शन, भारत नेट आप्टिकल फाइबर की विद्यालय से दूरी, व्यय, बायोमेट्रिक डिवाइस की उपलब्धता, विद्यार्थियों की संख्या आदि का विवरण भी शासन द्वारा तलब किया गया है।राजकीय विद्यालयों को वाई फाई व बायोमेट्रिक अटेंडेंस की सुविधा से युक्त किया जाना है। इसके साथ ही अन्य सभी माध्यमिक विद्यालयों की वेबसाइट व बच्चों की ईमेल आईडी बनाई जाएगी। इसके लिए संबंधित विभाग को दिशा निर्देश जारी किया जा रहा है।

सीतापुर में एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमे एक सिपाही कुसी पर बैठा हांथो में पैसा गिन रहा है

(आधुनिक समाचार सेव)
आशीष त्रिवेदी

सीतापुर। सिपाही के सामने के शख्स भी बैठा हुआ है. सिपाही से उस शख्स का लेनदेन चल रहा है. सिपाही के हाँथ में पैसा जैसे ही आया उसके चेहरे की मुस्कुराहट और बढ़ गयी. जिस जगह सिपाही बैठा है उसके चारों तरफ भीड़ जमा है. लोग सिपाही के साथ हंसी मजाक भी कर रहे हैं. वायरल वीडियो सीतापुर का बताया जा रहा है. सिपाही के हांथो में जो पैसा है वो दरसल में देशी कच्ची शराब का है. मलतब साफ है जो पैसा सिपाही को दिया जा रहा है. गांव में कच्ची जो शराब बनती है उसका लेनदेन हो रहा है. ये भी कह सकते हैं कि सिपाही की शराब माफिया से साठगांठ है. ये आरोप हम नही लगा रहे. ये आरोप लगा रहे हैं जो सिपाही को पैसा दे रहे हैं रुपया देने वाले शख्स ने ये भी बताया कि सिपाही को हर महीने कच्ची शराब बनाने के लिए 20 हज़ार दिए जाते हैं. ये सिलसिला करीब पिछले 8 महीने से चल रहा है. यही वजह है कि लगभग पूरा इलाका शराब बना रहा है. और धड़ल्ले से उसकी बिक्री कर रहा है. सीतापुर पुलिस अधीक्षक आर.पी. सिंह इस सिपाही के खिलाफ क्या कार्यवाही करते हैं.बताते चलें सिपाही का नाम अशोक यादव है और ये सिपाही सीतापुर के कोतवाली देहात में आने वाली कचनार चौकी का है.

अधीक्षक सीतापुर में किया जनसुनवाई

(आधुनिक समाचार सेव)
आशीष त्रिवेदी

सीतापुर।उपमहानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक सीतापुर श्री आर.पी. सिंह द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई की गयी। इस दौरान पुलिस कार्यालय में आने वाले जनसामान्य की समस्याओं को सुना गया तथा उनकी समस्याओं के समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक आदेश निर्देश दिए गए।

क्रय केंद्र पर गेहूं खरीद में लापरवाही, होगी कार्रवाई

चुनार (मीरजापुर) । चचेरी मोड़ स्थित विपणन विभाग के गेहूं क्रय केंद्र की गुरुवार को जांच की गई। इस दौरान गेहूं उठान में लापरवाही पकड़ी गई। एडीएम शिवप्रताप शुक्ला ने कार्यालय के अभिलेख देखे और केंद्र प्रभारी रविशंकर सिंह से गेहूं खरीद के बारे में जानकारी ली। केंद्र प्रभारियों को लापरवाही बरतने

पर सख्त कार्रवाई करने की चेतावनी दी। केंद्र प्रभारी की ओर से एडीएम को बताया गया कि अब तक 23 किसानों से 808 क्विटल गेहूं खरीदा गया है। यहां 17 किसानों का भुगतान भी किए जाने की जानकारी केंद्र प्रभारी ने दी। गेहूं उठान न होने पर एडीएम ने केंद्र प्रभारी को निर्देशित किया कि उठान सुनिश्चित कराई जाए। साथ ही खरीद में तेजी लाने की बात भी कही। एडीएम ने उपस्थित किसान से भी जानकारी ली। उन्होंने केंद्र प्रभारी को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।60 किसानों से 2791 क्विटल गेहूं की खरीद हलिया : क्षेत्र के मवईकला स्थित विपणन केंद्र पर बनाए गए खाद्य विभाग के खरीद केंद्र पर अब तक कुल 60 किसानों से 2791 क्विटल गेहूं की खरीद की गई है। किसानों की गेहूं की खरीद संपर्क रजिस्टर पर अंकित क्रम से की जा रही है। किसानों को केंद्र प्रभारी करुणेंद्र सिंह की ओर से फोन से संपर्क कर गेहूं बेचने के लिए सूचना दी जाती है। केंद्र पर एक कांटे से गेहूं की तौल कराई जा रही है। गुरुवार को केंद्र पर तीन सौ क्विटल गेहूं की तौल कराई गई। केंद्र पर प्रतिदिन तीन सौ क्विटल गेहूं की खरीद की जा रही है। केंद्र प्रभारी ने बताया कि किसानों की गेहूं की खरीद संपर्क रजिस्टर के क्रम से किया जा रहा है। साथ ही भुगतान उनके खातों में पीएफएमएस के माध्यम से किया जा रहा है। केंद्र पर आने वाले छोटे किसानों सहित महिला किसान को प्राथमिकता दी जा रही है पड़री : हाट शाखा पड़री गेहूं क्रय केंद्र पर अचानक धमके एडीएम वित्त शिव प्रताप शुक्ला ने खाद्य का निरीक्षण किया। उन्होंने शत प्रतिशत खरीद व उठान को लेकर दिशा-निर्देश दिए। एडीएम वित्त हाट शाखा पड़री निरीक्षण करने पहुंचे जहां केंद्र प्रभारी दीपिका बरनवाल उपस्थित मिली। प्रभारी ने बताया कि खरीद का लक्ष्य 13000 क्विटल है जिसके सापेक्ष अभी तक 19 किसानों से 779 क्विटल खरीद हुई है तथा 11 किसानों का भुगतान किया जा चुका है। केंद्र से मात्र 200 क्विटल का उठान कराया गया है।

परीक्षकों ने जांची लगभग 23 हजार कापियां

मीरजापुर । माध्यमिक शिक्षा परिषद के हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा की कापियों का मूल्यांकन चार केंद्रों पर चल रहा है। मीरजापुर में केंद्रों पर लगभग 221728 कापियों का मूल्यांकन होना है। माध्यमिक शिक्षा परिषद को एवार्ड ब्लैंक भेजा गया। सीसी टीवी कैमरे की निगरानी में परीक्षकों द्वारा 23 हजार 541 कापियों का मूल्यांकन किया गया। राजस्थान इंटर कालेज में 35 डिप्टी हेड व 321 परीक्षकों द्वारा 8673 कापियां तथा श्रीमाता प्रसाद माता भीख इंटर कालेज में 40 डिप्टी हेड व 399 परीक्षकों द्वारा 7500 हाईस्कूल के कापियों का मूल्यांकन किया। इसी प्रकार राजकीय इंटर कालेज में 1 डिप्टी हेड व 54 परीक्षकों द्वारा 2143 कापियां तथा बीएलजे इंटर कालेज में 23 डिप्टी हेड व 138 परीक्षकों द्वारा 5205 इंटरमीडिएट कापियों का मूल्यांकन किया गया।

नवनिर्मित प्रवेश द्वार का लोकार्पण

जमालपुर (मीरजापुर)। चुनार विधायक अनुराग सिंह ने बुधवार की देर रात सेमरा गांव में स्थित गांव के नवयुवकों की टीम द्वारा जनसहयोग से बनवाए गए नवनिर्मित प्रवेश द्वार का फीता काट कर लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि नवयुवकों की पूरी टीम बधाई की पात्र है, जिन्होंने बगैर जनप्रतिनिधियों के सहयोग से गांव के प्रवेश द्वार का निर्माण कराया है। युवाओं की ओर से द्वार का निर्माण पूरे विधानसभा क्षेत्र के लिए एक नजीर है। विधायक निधि से गांव का समग्र विकास कराने का भरोसा दिलाया। मुलायम गोंड एवं मनीष कुमार ने विधायक एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख आनंद

सिंह बंटू का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस दौरान नरसिंह चौहान, जोशी पटेल, चंद्रिका प्रसाद कुशवाहा, ग्राम प्रधान सुशील सिंह बाचा, आलोक सिंह, राजू शर्मा, शरद यादव, सतीश गोंड, मनोज पाल, शमशेर आदि मौजूद रहे।

शाहिद अफरीदी को झूठा और कैरेक्टरलेस इंसान इस पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी ने करार दिया, लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने कई बार अपने साथ हुए धार्मिक भेदभाव की बातें करते रहे हैं। अब उन्होंने एक बार फिर से अपने साथ हुए इस तरह के भेदभाव को लेकर पूर्व पाकिस्तानी कप्तान शाहिद अफरीदी पर निशाना साधा साथ ही साथ उन्हें झूठा और कैरेक्टरलेस इंसान तक कह डाला। कनेरिया के मुताबिक शाहिद अफरीदी उनके साथ भेदभाव सिर्फ इस वजह से करते थे कि वो हिंदू होकर भी पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए खेल रहे थे। दानिश कनेरिया ने आइएएनएस के साथ बात करते हुए अफरीदी को साफ तौर पर झूठा इंसान करार दिया। वैसे कनेरिया के बारे में इसी टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने भी कहा था कि उनके साथ टीम के कुछ क्रिकेटर धर्म के आधार पर भेदभाव करते थे साथ ही साथ उनके साथ बुरा बर्ताव भी करते थे। कनेरिया ने कहा कि शोएब अख्तर पहले ऐसे इंसान थे जिन्होंने मेरी समस्या के बारे में

खुलकर बात की। हालांकि इसके बाद उन पर दवाब डाला गया और फिर उन्होंने मेरे बारे में कुछ भी कहना बंद कर दिया, लेकिन सच तो ये है कि मेरे साथ ऐसा हुआ था और शाहिद अफरीदी ने मुझे हमेशा परेशान किया। वो मुझे हमेशा बेंच पर बिठा कर रखते थे और वनडे टूर्नामेंट में खेलने का मौका नहीं देते थे। दानिश कनेरिया ने कहा कि शाहिद अफरीदी नहीं चाहते थे कि मैं टीम में रहूं। वो झूठे थे, जालसाज थे क्योंकि वो एक चरित्रहीन इंसान (कैरेक्टरलेस) थे। वैसे मेरा ध्यान सिर्फ क्रिकेट खेलने पर रहता था और मैं इन सब चालों पर कभी ध्यान नहीं देता था। शाहिद अफरीदी एक मात्र ऐसे खिलाड़ी थे जो दूसरों को मेरे खिलाफ भड़काते थे। मैं अच्छा प्रदर्शन कर रहा था, लेकिन वो मुझसे जलते थे। वहीं स्पाट फिक्सिंग आरोप के बारे में उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ कुछ गलत आरोप लगाए गए और इस केस में शामिल इंसान के साथ मेरा नाम जोड़ा गया। वो शाहिद अफरीदी के साथ अन्य पाकिस्तानी क्रिकेटरों का भी दोस्त था, लेकिन मैं नहीं जानता कि आखिर मुझे ही क्यों निशाने पर लिया गया। मैं पीसीबी के अनुरोध करता हूं कि मेरे ऊपर लगा बैन हटा लें ताकि मैं अपना काम कर सकूं।

जिस इंसान की वजह से बदली थी रोहित शर्मा की तकदीर, उसके सपने को मैदान पर कई बार किया चकनाचूर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में रोहित शर्मी की मुंबई इंडियंस ने अब के इतिहास का सबसे खराब प्रदर्शन किया है। ये भारतीय सलामी बल्लेबाज इस समय मुंबई इंडियंस के साथ आइपीएल के 15वें सीजन के बायो-बबल में है। ऐसे में वे अपना 35वां जन्मदिन भव्य अंदाज में नहीं मना पाएंगे। क्या आप जानते हैं कि वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में दोहरे शतकों का विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले रोहित शर्मा भी एक आम खिलाड़ी की होते अगर उनकी तकदीर का फैसला एक महान खिलाड़ी नहीं करता। भारतीय टीम के लिए इस वक्त तीनों फार्मेट में कप्तानी करने वाले रोहित शर्मा नीचले क्रम में बल्लेबाजी कर रहे थे जब उनके हुनर को पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धौनी ने पहचाना। रोहित की किस्मत धौनी ने बदली थी, क्योंकि साल 2013 की चैंपियंस ट्रॉफी में रोहित शर्मा को धौनी ने बतौर ओपनर खेलने के लिए कहा था। इसके बाद से रोहित शर्मा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और वे हिटमैन बनते चले गए। हालांकि, साल 2007 में ही रोहित शर्मा ने इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू कर लिया था और वे देश के लिए खेलने लगे थे, लेकिन साल 2011 के विश्व

कप में रोहित शर्मा को नहीं चुना गया था, जबकि उनके बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में आए विराट कोहली को फाइनल फिफ्टीन में जगह मिली थी। उस समय रोहित निराश भी थे, लेकिन 2019 के विश्व कप में उन्होंने विश्व रिकॉर्ड बनाकर सभी की बोलती बंद कर दी। रोहित शर्मा जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आए तो वे एक ऑफ स्पिनर के साथ-साथ मिडिल ऑर्डर में नीचे बल्लेबाजी करने आते थे। एक दो या नहीं, करीब 6 साल तक उनके साथ ऐसा ही होता रहा। वे परफॉर्म नहीं करते तो उनको ड्रॉप कर दिया जाता, लेकिन 2013 की आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से कम से कम शॉर्ट फॉर्मेट में रोहित शर्मा को कोई टीम तो छोड़िए प्लेइंग इलेवन से भी बाहर नहीं रख सकता था। 2013 के बाद से रोहित शर्मा हिटमैन बन गए और उन्होंने एक के बाद एक सीमित ओवरों की क्रिकेट में दमदार पारियां खेलीं और विश्व रिकॉर्ड बना दिए। दाएं हाथ के बल्लेबाज रोहित शर्मा ने वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में एक या दो नहीं, बल्कि तीन दोहरे शतक जड़े हैं, जो अपने आप में विश्व रिकॉर्ड है। रोहित के अलावा कोई भी खिलाड़ी एक से ज्यादा दोहरा शतक वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में नहीं जड़ पाया है। इतना ही नहीं, वनडे मैच की एक पारी में सबसे बड़ा निजी स्कोर बनाने का विश्व रिकॉर्ड भी रोहित शर्मा के ही नाम है। नागपुर में जन्मे रोहित शर्मा ने वनडे इंटरनेशनल मैच की एक पारी में सबसे ज्यादा रन चौके-छक्के के तौर पर भी बनाए हैं। उन्होंने 186 रन सिर्फ चौके-छक्कों के सहारे बटोरकर विश्व रिकॉर्ड कायम किया हुआ है। मुंबई और चेनन्ई की बीच की टक्कर को दिग्गज भारत और पाकिस्तान जैसे मुकाबले की तरह बताने से नहीं चूकते। अब तक चेनन्ई की टीम के तीन बार फाइनल में मुंबई ने मात दी है।

चेतेश्वर पुजारा ने ससेक्स के लिए लगातार तीसरे मैच में जड़ा शतक

होव। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने इंग्लिश काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स का प्रतिनिधित्व करते हुए शुक्रवार को लगातार तीसरे मैच में शतक जड़ा।

चेतेश्वर पुजारा दूसरे दिन का खेल खत्म होने के समय 198 गेंदों पर 16 चौकों के साथ 128 रन पर नाबाद थे। उनकी इस पारी से ससेक्स की टीम डरहम पर पहली पारी में 139 रनों की बढ़त ले ली है डरहम की पहली पारी के 223 रन के जवाब में ससेक्स ने पांच विकेट पर 362 रन बनाए हैं। भारतीय टीम में वापसी की राह देख रहे पुजारा का पांच पारियों में यह तीसरा शतक है। उन्होंने इस दौरान ससेक्स के साथ अपने पदार्पण मैच में छह और नाबाद 201 रन बनाए थे जिससे टीम ने डर्बीशायर के खिलाफ फालोआन मिलने के बाद मैच ड्रा कराया था। उन्होंने इसके बाद वास्टरशायर के खिलाफ 109 और 12 रन की पारियां खेली थी। इस मैच में हालांकि उनकी टीम को 34 रन से हार का सामना करना पड़ा था। दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद भारतीय टीम से बाहर हुए पुजारा इस शानदार लय के कारण इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट सीरीज के आखिरी मैच के लिए टीम में वापसी कर सकते हैं। चेतेश्वर पुजारा का फर्स्ट क्लास क्रिकेट में ये 53वां शतक रहा। हालांकि इस मैच से पहले तक अगर उनके फर्स्ट क्लास करियर की बात करें तो उन्होंने 228 मैचों की 378 पारियों में 51.11 की शानदार औसत से 17276 रन बनाए हैं। इन मैचों में उनके 52 शतक और 70 अर्धशतक हैं। वहीं फर्स्ट क्लास मैचों में उनका बेस्ट प्रदर्शन 352 रन का रहा है। वहीं पुजारा के इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट में लगातार किए गए बेहतरीन प्रदर्शन से साबित होता है कि ये भारतीय टेस्ट बल्लेबाज टीम में वापसी के लिए बेताब है, लेकिन ये भी देखना दिलचस्प होगा कि उन्हें टेस्ट टीम में इस प्रदर्शन के आधार पर मौका मिलता है या नहीं।

खराब फार्म में चल रहे रोहित शर्मा और ईशान किशन को मिला बैटिंग कोच राबिन सिंह का साथ

मुंबई। मुंबई इंडियंस क्रिकेट टीम के बैटिंग कोच राबिन सिंह ने खराब फार्म में चल रहे कप्तान रोहित शर्मा और ईशान किशन का समर्थन करते हुए कहा कि वे इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) के 15वें सीजन के बचे हुए मैचों में लय हासिल कर लेंगे। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने ईशान किशन को 15.25 करोड़ रूपये में

खरीदा था, उन्होंने अच्छी शुरुआत की थी लेकिन अब खराब फार्म में चल रहे हैं और अभी तक अपनी कीमत के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। झारखंड के इस खिलाड़ी ने अभी तक आठ मैचों में 28.43 के औसत से महज 199 रन बनाए हैं। राबिन सिंह ने राजस्थान रायल्स के खिलाफ मैच से पहले वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि हमने कुछ चीजों पर काम किया है जिसमें हमें लगता था कि वह (ईशान किशन) सुधार कर सकता है। निश्चित रूप से यह मैचों के साथ ही बेहतर होते रहने की बात है। उन्होंने कहा कि जैसा कि आप जानते हो, उसने (किशन) बहुत अच्छी तरह शुरुआत की। लेकिन फिर वह थोड़ा धीमा हो गया। हमने कुछ चीजों पर काम किया है और हम उम्मीद करते हैं कि वह उसी फार्म में वापसी करेगा जिसमें उसने शुरुआत की थी। रोहित भी खराब लय से जूझ रहे हैं और आठ मैचों में 19.13 के औसत से केवल 153 रन ही बना सके हैं। लेकिन रोबिन को भरोसा है कि यह स्टार सलामी बल्लेबाज मजबूत वापसी करेगा। उन्होंने कहा कि बल्लेबाज के तौर पर आपको उन चीजों में सुधार की जरूरत होती है जिन्हें आप खुद के लिये अहम समझते हो। मुझे लगता है कि उसने (रोहित ने) काफी मेहनत की है। हमने उसके साथ नेट में, मैदान में काफी समय बिताया है और मुझे लगता है कि इशान किशन की तरह ही उसे क्या करने की जरूरत है, हमने इस पर काम किया है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के तौर पर, बल्लेबाज के तौर पर, सीनियर बल्लेबाज के तौर पर वह अपनी जिम्मेदारियां जानता है। मुझे लगता है कि वह मजबूत वापसी करेगा। वहीं राबिन सिंह ने तिलक वर्मा की जमकर तारीफ करते हुए उन्हें भविष्य का खिलाड़ी बताया और टीम में उनके सहयोग के लिए उनकी सराहना की।

5 साल पहले बेन स्टोक्स को लेकर धौनी की भविष्यवाणी, अब सच साबित हुई

नई दिल्ली। दो हफ्तों की कड़ी मशक्कत के बाद आखिरकार इंग्लैंड को अपना नया टेस्ट कप्तान मिल गया। इंग्लैंड क्रिकेट की तरफ से बेन स्टोक्स को इस विपरीत परिस्थिति में टीम की कमान सौंपी गई। वे इंग्लैंड के 81वें कप्तान बन गए। कप्तान चुने जाने के बाद बेन स्टोक्स ने सबका शुक्रिया कहा और इस सम्मान के लिए इंग्लैंड क्रिकेट का धन्यवाद किया लेकिन क्या आप जानते है कि स्टोक्स की प्रतिभा को आज से 5 साल पहले वर्ल्ड क्रिकेट के सबसे बड़े फिनिशर धौनी ने नोटिस किया था। 2017 में धौनी और बेन स्टोक्स आइपीएल की नई टीम राइजिंग पुणे सुपर जाएंट्स का हिस्सा थे। उस दौरान धौनी ने स्टोक्स को लेकर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने उस वक्त कहा था कि ठवे अभी भले ही महान खिलाड़ी न हो लेकिन 10 सालों के अंदर वे न केवल अच्छे क्रिकेटर होंगे बल्कि अपने देश का नेतृत्व भी करेंगे। मुझे उनमें लीडर दिखता है धौनी की इस भविष्यवाणी के ठीक 5 साल बाद वो मौका आया जब जो रूट ने टीम की कप्तानी छोड़ी और बेन स्टोक्स को नया कप्तान चुना गया। आपको बता दें कि रूट ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज हार के बाद बीते 15 अप्रैल को कप्तानी छोड़ दी थी। 5 साल तक इंग्लैंड टेस्ट टीम का नेतृत्व करने वाले रूट की गिनती इंग्लैंड के सबसे सफल कप्तानों में से होती है। 5 साल के दौरान उन्होंने अपनी कप्तानी में 64 टेस्ट मैच खेले और 27 मैचों में टीम को जीत दिलाई। हालांकि 26 टेस्ट मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा।बीते कुछ महीनों से टीम बहुत बुरे दौर से गुजर रही है। पिछले 17 टेस्ट मैचों में टीम को केवल एक मैच में जीत मिली है। इंग्लैंड क्रिकेट में ऐसा पहला मौका है जब टीम इतने खराब दौर से गुजर रही है। स्टोक्स के सामने टीम को इस स्थिति से बाहर निकालने की बड़ी चुनौती है।

विराट कोहली पर होगी नजर, कैसा होगा बैंगलोर और गुजरात का प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन के 43वें मुकाबले में रायल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम का सामना गुजरात टाइटंस से होना है। इस मैच में सबकी नजर विराट कोहली पर रहेगी। पिछले कई मुकाबलों में वह रन बनाने में नाकाम रहे हैं। टीम को पिछले दो मैच में हार मिली है और वह तीसरी हार से बचना चाहेगी। गुजरात की टीम बेहद दमदार है और पिछले चार लगातार मुकाबले जीतकर आ रही है। टूर्नामेंट में पहली बार शामिल की गई टीम ने अब तक अपने 8 में से 7 मैच जीते हैं और महज एक मैच गंवाया है। बैंगलोर की टीम अपने प्लेइंग इलेवन में बदलाव कर सकती है लेकिन क्या ये देखना दिलचस्प होगा। पिछले मुकाबले में विराट कोहली ने कप्तान फाफ डु प्लेसिस के साथ पारी की शुरुआत की थी लेकिन यहां भी वह नाकाम ही रहे। लगातार खराब फार्म से जूझ कहे कोहली पर इस मैच में भी सबकी नजर रहेगी। टीम के मिडिल आर्डर में ग्लेन मैक्सवेल, शाहबाज और प्रभुदेसाई को बड़ा पारी खेलनी होगी। नीचले क्रम में दिनेश कार्तिक ने अब तक शानदार खेल दिखाया

है। टीम के गेंदबाजी में वनिंदु हसरंगा ने विकटें चटकाई है, जेस हेजलवुड, मोहम्मद सिराज और हर्षल पटेल गुजरात के लिए मुश्किल बन सकते हैं। बैंगलोर की संभावित प्लेइंग इलेवनः फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), विराट कोहली, ग्लेन मैक्सवेल, रजत पाटीदार, सुयश प्रभुदेसाई, शहबाज अहमद, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), वानिन्दु हसरंगा, हर्षल पटेल, जोश हेजलवुड, मोहम्मद सिराज. गुजरात की टीम लाजवाब फार्म में है ओपनर गिल पिछले कुछ मैच में नहीं चले हैं लेकिन रिद्धिमान साहा ने पिछले मैच में अर्दशतक जमाया था। मिडिल आर्डर में कप्तान हार्दिक पांड्या, डेविड मिलर और अभिषेक मनोहर पर एक बार फिर नजर रहेगी। राहुल तेवतिया और राशिद खान ने पिछले मुकाबलों में धमाकेदार खेल दिखाया है। गेंदबाजी में टीम के पास मोहम्मद शमी, लोकी फुर्ग्युसन और अल्जारी जोसेफ जैसे शानदार खिलाड़ी हैं। स्पिनर की कमान राशिद के हाथ होगी जिनके रंग दिखाना होगा। गुजरात की संभावित प्लेइंग इलेवनः शुभमन गिल, रिद्धिमान साहा, हार्दिक पांड्या (कप्तान), अभिनव मनोहर, डेविड मिलर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, अल्जारी जोसेफ, लोकी फर्ग्यूसन / डोमिनिक ड्रेक, मोहम्मद शमी, यश दयाल।

हार्दिक पांड्या के सामने होंगे विराट कोहली, जानिए कब और कहां देखें मुकाबला

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में शनिवार 30 अप्रैल को होने वाले डबल हेडर मुकाबले में दोपहर को रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और गुजरात टाइटंस की टीमें आमने सामने होंगी। नए सीजन में नए कप्तान के साथ उतरी

बैंगलोर ने इस सीजन बेहतर खेल दिखाया है। लेकिन उनके सामने सीजन की पहली बार उतरी टेबल के टाप पर चल रही गुजरात के टाइटंस होंगे। बैंगलोर को जहां पिछले दो मैच में हार मिली है तो वही गुजरात लगातार चार मैच जीत कर आ रही है। बैंगलोर की टीम को प्लेआफ की दावेदारी मजबूत करने के लिए अब बाकी बचे मुकाबलों में जीत हासिल करनी होगी। अब तक 9 मैच खेलने के बाद टीम को 5 में जीत मिली है और वह इस वक्त अंक तालिका में 5वें नंबर पर है। गुजरात ने 8 मैच में से महज एक ही मैच गंवाया है और 14 अंकों के साथ पहले स्थान पर काबिज है। कहां खेला जाएगा रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और गुजरात टाइटंस के बीच ये मैच रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और गुजरात टाइटंस के बीच ये मैच मुंबई के ब्रेबार्न स्टेडियम में खेला जाएगा। कितने बजे शुरू होगा रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और गुजरात टाइटंस के बीच ये मैच रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और गुजरात टाइटंस के बीच ये मैच दोपहर 3.30 बजे शुरू होगा।कितने बजे होगा रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और गुजरात टाइटंस के बीच इस मैच का टास? रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और गुजरात टाइटंस के बीच इस मैच का टास मैच शुरू होने से आधा घंटा पहले दोपहर 3 बजे होगा। रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और गुजरात टाइटंस के बीच इस मैच को कहां देख सकते हैं रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और गुजरात टाइटंस के बीच इस मैच को स्टार स्पोर्ट्स के नेटवर्क या हाटस्टार पर देख सकते हैं। इसके अलावा इस मैच से जुड़ी हर खबर को आप आप दैनिक जागरण की वेबसाइट पढ़ सकते हैं।

कप्तान को जीत का तोहफा दे पाएगी मुंबई की टीम, जानिए कब और कहां देखें आज का मुकाबला

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग की सबसे सफल टीमों में शुमार मुंबई इंडियंस इस सीजन में पहली जीत को तरस रही है। शनिवार को डबल हेडर के दूसरे मुकाबले में

कर प्लेआफ की दावेदारी और मजबूत करने की होगी जबकि मुंबई के लिए जीत सम्मान बचाने की जंग है। 30 अप्रैल, शनिवार को होगा राजस्थान रायल्स और मुंबई इंडियंस के बीच ये मैच। कहां खेला जाएगा राजस्थान रायल्स और मुंबई इंडियंस के बीच ये मैच राजस्थान रायल्स और मुंबई इंडियंस के बीच ये मैच मुंबई के डी वाई पाटिल स्टेडियम में खेला जाएगा। कितने बजे शुरू होगा राजस्थान रायल्स और मुंबई इंडियंस के बीच ये मैच राजस्थान रायल्स और मुंबई इंडियंस के बीच ये मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा।कितने बजे होगा राजस्थान रायल्स और मुंबई इंडियंस के बीच इस मैच का टास राजस्थान रायल्स और मुंबई इंडियंस के बीच इस मैच का टास शाम 7 बजे होगा। हासिल किया है। मुंबई अंक तालिका में सबसे नीचे मौजूद है तो वहीं राजस्थान की टीम दूसरे स्थान पर काबिज है। संजू सैमसन की टीम का इरादा यहां जीत हासिल शाम को राजस्थान रायल्स के खिलाफ मुंबई की टीम खेलने उतरेगी। यह मैच टीम के लिए बेहद खास रहने वाला है क्योंकि आज कप्तान रोहित शर्मा का जन्मदिन है। मुकाबले में टीम के खिलाड़ी जीत हासिल कर रोहित को जीत का तोहफा देना चाहेंगे। लगातार 8 मैच हार चुकी मुंबई को पहली जीत का इंतजार है तो वहीं राजस्थान ने 8 मैच में से 6 में जीत

राशिफल

मेष-:आपको रुका हुआ धन मिलेगा और आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. घर में कुछ बदलाव आपको काफी भावुक कर सकते हैं, लेकिन जो आपके लिए खास हैं, उनके सामने आप अपनी भावनाओं का इजहार कर पाएंगे।	वृष-:आज आपका मन पूजा-पाठ में अधिक लगेगा. आज आप अपने माता-पिता के साथ मंदिर जाने की योजना बना सकते हैं। कई दिनों से चली आ रही परेशानियां आज खत्म हो सकती हैं।	मिथुन-:परिवार के लिए आज का दिन शुभ है। आत्म विश्वास में वृद्धि होगी। बहुत उत्साहित रहेंगे। साहसिक कार्य करने से बचें। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।	कर्क-:आपके घर से जुड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा। अपने करीबी लोगों के सामने ऐसी बातें उठाने से बचें, जो उन्हें दुखी कर सकती हैं। प्रेम की दृष्टि से आज का दिन बेहद खास रहेगा।
सिंह-:आज का दिन लाभकारी रहेगा. आज आपके दोस्त आपके रुके हुए काम में आपकी मदद करेंगे। आज आपके शत्रु आपसे दूरी बनाए रखेंगे। आज आपको अपने किसी करीबी से खुशखबरी मिल सकती है।	कन्या-:आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं. जल्दबाजी में निर्णय न लें। व्यापार और व्यापार के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।	तुला-:आपके घर से जुड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा. यदि बातचीत और चर्चा आपके अनुसार नहीं है तो आप गुस्से में कड़वी बातें कह सकते हैं, जिसके बारे में आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।	वृश्चिक-:आज आपका दिन राहत भरा रहने वाला है. आज आपके पारिवारिक जीवन में उत्साह का माहौल रहेगा। इस राशि के शायरों के लिए आज का दिन बेहद अहम रहने वाला है। आज आपको अपनी प्रतिभा का पुरस्कार भी मिल सकता।
धनु-:आज का दिन नया काम शुरू करने के लिए शुभ समय है. परिवार के सदस्यों के साथ मतभेद दूर कर आप अपने उद्देश्यों को आसानी से पूरा कर सकते हैं। प्रिय व्यक्ति से मेल-मिलाप होगा।	मकर-:आज का दिन विशेष है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण कार्य करने की क्षमता देगा. यदि आप आय में वृद्धि के स्रोतों की तलाश कर रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें।	कुंभ-:आज भाग्य साथ देगा. ऑफिस में आज का काम इस राशि के बिजनेसमैन को ज्यादा फायदा देने वाला है। यदि आप कोई नया व्यवसाय शुरू करने की सोच रहे हैं तो आज का दिन शुभ है। धन के साथ सुख आएगा।	मीन-:आज निर्णय न ले पाने के कारण नए कार्यों की शुरुआत करना आपके लिए शुभ नहीं है. आज आप रिश्ते में औपचारिकता बनाए रखेंगे, अन्यथा मनमुटाव होने की संभावना है। मनोबल से सभी कार्य पूर्ण होंगे।

सम्पादकीय

प्रशांत किशोर वही करना चाहते थे जो राहुल गांधी अर्से से कर रहे हैं यानी अधिकार तो सभी मिले लेकिन कोई जवाबदेही न हो

नेहरू-गांधी परिवार की बलि के बकरे की तलाश अधूरी रह गई। यह परिवार हमेशा एक ऐसे व्यक्ति की तलाश में रहता है, जिसके सिर नाकामियों का ठीकरा फोड़ा जा सके। चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर हाथ में आकर भी हाथ से फिसल गए। उन्होंने कांग्रेस का प्रस्ताव ठुकरा दिया। प्रस्ताव बड़ा साफ था-जीते तो हमारी जय-जय और हारे तो तुम्हारी पराजय। प्रशांत किशोर को खेल समझ में आ गया। वह समझ गए कि उनकी दुकान स्थायी रूप से बंद कराने का इंतजाम हो रहा है। यह ऐसा परिवार है जिसे पद चाहिए, लेकिन जवाबदेही नहीं। पांच राज्यों में पार्टी चुनाव हार गई। पांचों राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों का इस्तीफा हो गया और उन्हें नियुक्त करने वाले राहुल गांधी विदेश छुट्टी मनाने चले गए। सोनिया, राहुल और प्रियंका की त्रिमूर्ति को चुनाव जिताना भले न आता हो, लेकिन पार्टी पर कब्जा बनाए रखने का मंत्र आता है। इस तिकड़ी को हर वह व्यवस्था मंजूर है, जिससे पार्टी पर उनका कब्जा बना रहे। प्रशांत किशोर बड़ी आदर्श व्यवस्था बना रहे थे। ऐसी व्यवस्था जिसमें परिवार के तीनों सदस्यों के पास सारे अधिकार हों और जवाबदेही भी। यहीं वह चूक गए। परिवार ने हार की जिम्मेदारी लेने के लिए पहले से ही एक कमेटी का गठन कर दिया। जिसका नाम है-एंपावर्ड एक्शन ग्रुप। प्रशांत किशोर से कहा गया कि इसके सदस्य बन जाएं और रणनीति का जिम्मा लें। प्रशांत किशोर ने बड़े तंज भरे लहजे में कहा कि इतना उदार प्रस्ताव देने के लिए धन्यवाद। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को मुझसे ज्यादा नेतृत्व, राजनीतिक इच्छाशक्ति और संगठन में बुनियादी बदलाव की जरूरत है। राष्ट्रीय दल तो छोड़िए, किसी क्षेत्रीय दल का ऐसा अपमान कभी नहीं हुआ। एक चुनाव रणनीतिकार सार्वजनिक रूप से पार्टी में आने का प्रस्ताव ठुकरा कर चला गया। प्रशांत किशोर को भी पता है कि कांग्रेस का कुछ नहीं होने वाला। कांग्रेस के जरिये वह अपनी दुकान का विस्तार करना चाहते थे। उनकी योजना थी कि हार का ठीकरा उनके अलावा बाकी सब पर फूटे। वह इस गुंजाइश को बनाकर रखना चाहते थे कि चुनाव नतीजा आने के बाद कह सकें कि उनकी योजना पर उनके मुताबिक अमल नहीं हुआ गांधी परिवार खुश था कि जैसे 2019 के चुनाव में प्रवीण चक्रवर्ती कवच बने थे, वैसे ही अगली बार प्रशांत किशोर बन जाएंगे। 2019 के चुनाव में प्रवीण चक्रवर्ती को डेटा एनालिटिक्स एक्सपर्ट के तौर पर रखा गया था। उन्होंने राहुल गांधी को सपना दिखाया कि कांग्रेस को 180 से ज्यादा सीटें मिलेंगी। हार के बाद सारा जिम्मा उन पर डाला गया। कुछ दिन हाशिये पर रखने के बाद फिर काम पर लगा दिया गया। प्रशांत किशोर नहीं चाहते थे कि वह प्रवीण चक्रवर्ती बनें, पर कांग्रेस और प्रशांत किशोर प्रकरण की वास्तविक पटकथा कुछ और ही है। यह पटकथा बता रही है कि गांधी परिवार में राजनीतिक विरासत का जो युद्ध पिछले कुछ सालों से बंद कमरे में चल रहा था, वह खुले में आ गया है। प्रशांत किशोर को मोहरे के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा था और वह इस्तेमाल होने के लिए सहर्ष तैयार भी थे। शर्त इतनी थी कि इस बंटवारे में उन्हें भी केक का बड़ा हिस्सा मिले। प्रशांत किशोर प्रियंका के साथ मिलकर राहुल गांधी का पत्ता साफ करना चाहते थे। तैयारी थी प्रियंका को पार्टी अध्यक्ष बनाने की। राहुल गांधी संसदीय दल के नेता बनाए जा रहे थे। संसद में तो उनका पार्टी से भी कम मन लगता है। राहुल गांधी न तो अध्यक्ष बनेंगे और न ही अध्यक्ष पद पर किसी और को बैठने देंगे। इस समय पार्टी पर राहुल और उनकी टीम का कब्जा है। इन सब लोगों को डर था कि प्रशांत किशोर अपनी योजना में सफल हो गए तो उनकी दुकान बंद हो जाएगी। तो तय हुआ कि प्रशांत किशोर को भगाना है, पर ऐसे भी नहीं कि साफ दिखाई दे। तो मुद्दा बनाया गया दूसरे दलों से प्रशांत किशोर के व्यावसायिक संबंध को। इस पूरे प्रकरण में कांग्रेस पार्टी ने अपनी भद पिटवाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।बहुत सी पार्टियां चुनाव रणनीतिकारों की सेवाएं लेती हैं, पर सारी बातचीत बंद कमरे में और व्यावसायिक रूप से होती है। कांग्रेस ने ऐसा नजारा पेश किया जैसे प्रशांत किशोर चुनावी रणनीतिकार न होकर 'जादूगर पीसी सरकार' हों। जो आएंगे और कांग्रेस पार्टी के सारे दुख-दर्द दूर कर देंगे। दरअसल दोनों पक्ष एक दूसरे को धोखे में रखने की जुगत भिड़ा रहे थे। प्रशांत वही करना चाहते थे, जो राहुल गांधी पिछले 18 सालों से कर रहे हैं।

एलन मस्क ने क्यों खरीदा ट्विटर, भारत के लिए इस सौदे के क्या हैं मायने: जानें- सब कुछ

ट्विटर को नए पंख मिल रहे हैं। विश्व के सर्वाधिक धनी व्यक्ति एलन मस्क के साथ इस इंटरनेट मीडिया मंच का सौदा तय हो गया है और यदि ट्विटर के शेयरधारकों और अमेरिकी एजेंसियों ने अनुमोदन कर दिया तो लगभग छह माह में प्रक्रिया पूरी हो सकती है। ऐसे में यह समझना जरूरी है कि आखिर इलेक्ट्रिक वाहन और अंतरिक्ष विज्ञान के व्यापार के दिग्गज मस्क को ट्विटर खरीदने की क्या जरूरत आन पड़ी। क्या प्रभाव होगा इस सौदे का और भारत के संदर्भ में ट्विटर पर मस्क का स्वामित्व होने के क्या मायने हैं। इंटरनेट मीडिया संसार की इस अहम घटना से जुड़े प्रशनें के उत्तर तलाशती यह विशेष रिपोर्टः दक्षिण अफ्रीका के प्रिटोरिया में 28 जून 1971 को जन्मा एक बालक आगे चलकर विश्व का सबसे धनी व्यक्ति तो बना ही, अपने नवोन्मेष और कल्पनातीत सोच के लिए भी ख्यात है। उस बालक को हम एलन मस्क के नाम से जानते हैं जो आजकल 44 बिलियन डालर (3,34,400 करोड़ रुपये) में इंटरनेट मीडिया मंच ट्विटर के अधिग्रहण के लिए खासी चर्चा में है। मस्क को उनकी इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला और अंतरिक्ष मिशन से जुड़ी कंपनी स्पेसएक्स के लिए भी पहचाना जाता है। मस्क की विशेषता है, कंपनियों को चलाने में उनका मुखर लीडर का रूप। मस्क अपनी बेबाक राय बोर्ड रूम में भी रखते हैं और सार्वजनिक मंचों पर भी। फोर्ब्स के अनुसार इस समय मस्क की संपत्ति 26,460 करोड़ अमेरिकी डालर से भी अधिक है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उनकी कंपनी टेस्ला की मार्केट वैल्यू इस समय 1.03 टिलियन डालर है। मस्क इस इंटरनेट मीडिया मंच की प्रक्रियागत और नीतिगत खामियों की तरफ प्रायः संकेत करते रहे हैं। ट्विटर खरीदने के पीछे यही कारण माना जा रहा है कि वह इसकी नीतियों और काम करने के तरीके में बड़े बदलाव करना चाहते हैं। खुद को फ्री स्पीच एक्टिविस्ट कहने वाले मस्क अब ट्विटर को अपने तरीके से चलाने की योजना बना रहे हैं। मस्क के लिए ट्विटर लोगों से अपनी बात कहने का एक सार्वजनिक मंच है ठीक वैसे ही जैसे किसी शहर के प्रमुख स्थान से जनता को संबोधित किया जाता है। वह ट्विटर पर आपत्तिजनक कंटेंट के नाम पर सामग्री ब्लाक किए जाने की प्रक्रिया को फ्री स्पीच की राह का रोड़ा मानते हैं। गत मंगलवार को ट्विटर के अधिग्रहण के बाद मस्क का बयान बता देता है कि वह क्यों इस इंटरनेट मीडिया मंच को खरीद रहे हैं। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि ट्विटर को पब्लिक कंपनी से प्राइवेट कंपनी बनाते ही मस्क का दखल बढ़ सकता है और वह कंपनी की नीतियों पर निणर्य कर सकते हैं। उनके मुखर व्यक्तित्व व व्यवहार को देखते हुए यह भी माना जा रहा है कि वह ट्विटर द्वारा पूर्व में लिए गए कुछ कड़े निर्णयों को बदल भी सकते हैं। चर्चा है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ट्विटर का प्रतिबंध हट सकता है। हालांकि ट्रंप इससे इन्कार कर चुके हैं। फिलहाल अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने मस्क और ट्विटर के सौदे पर प्रतिक्रिया देने से मना कर दिया है, लेकिन व्हाइट हाउस प्रवक्ता जेन साकी ने दोहराया है कि इंटरनेट मीडिया मंचों को उत्तरदायी बनाना चाहिए। कहा जा सकता है कि फ्री स्पीच के हिमायती मस्क के आने से ट्विटर पर आपत्तिनजक सामग्री, भ्रामक सूचना और

आनलाइन शोषण से संबंधित विश्व के कई देशों में बन चुके या बन रहे प्रविधानों पर प्रभाव पड़ेगा। वैश्विक स्तर पर एक और चिंता बीते कुछ समय में सामने आई है, इंटरनेट मीडिया मंचों का प्रयोग कर चुनाव का प्रभावित करने का प्रयास। इस पर मस्क का सोच साफ कर देता है कि क्यों पूरे विश्व को उनके ट्विटर अधिग्रहीत करने से चिंतित होना चाहिए। मार्च में मस्क ने ट्वीट कर कहा था कि अपने उपयोगकर्ताओं के ट्वीट प्रतिबंधित करके ट्विटर ने लोकतंत्र को कमतर आंका है। उन्होंने अपने करोड़ों फालोअर्स के बीच एक सर्वे कर पूछा था कि क्या ट्विटर फ्री स्पीच को लोकतंत्र के लिए आवश्यक मानने की नीति पर काम करता है। इसके जवाब में सत्तर प्रतिशत से अधिक लोगों ने 'नहीं' कहा था। ट्विटर के सीईओ इस समय भारतवंशी पराग अग्रवाल हैं। उन्हें ट्विटर के संस्थापक व बोर्ड सदस्य जैक डोर्सी ने नवंबर 2021 में सीईओ बनाने की मंजूरी दी थी। पराग अग्रवाल को लेकर डोर्सी का बयान अहम है जिसमें उन्होंने कहा कि ट्विटर को अधिकतम विश्वसनीय और समावेशी मंच बनाने का एलन का लक्ष्य है और यही पराग का भी सोच है। मैंने इसी कारण पराग को सीईओ चुना था। डोर्सी का बयान पराग को बेहतरीन सीईओ बता रहा है, लेकिन मस्क कह चुके हैं कि ट्विटर के शीर्ष प्रबंधन में सब ठीक नहीं है। यह संकेत है कि बदलाव होगा। खुद पराग ने अधिग्रहण के बाद ट्विटर कमिन्यों को संदेश दिया है कि कंपनी में अभी अनिश्चितता का माहौल है। मस्क ने कहा है कि मैं एल्गोरिद्म में बदलाव करके ट्विटर को पहले से बहुत बेहतर बनाना चाहता हूं। यह एल्गोरिद्म ओपन सोर्स होगा ताकि विश्वास बढ़े, स्पैम बोट कम हों और सभी इंसानों का प्रमाणीकरण किया जा सके। क्या होता है स्पैम बोटः स्पैम बोट इंसान के बजाय मशीन से इंटरनेट मीडिया अकाउंट को संचालित कराने की प्रक्रिया है। इसके लाभ भी हैं और हानि भी। कई कंपनियां ग्राहकों के साथ त्वरित संवाद के लिए बोट (रोबोट समङों) का प्रयोग करती हैं, लेकिन ट्विटर जैसे मंच पर कई बार इनका प्रयोग स्पैमिंग, मंथन और उपयोगकर्ता की निजता को प्रभावित करने में भी किया जाता है। इंटरनेट मीडिया कंपनियों के लिए भारत एक विशाल बाजार है और ट्विटर भी इसे बहुत अहमियत देता है। आंकड़ों के अनुसार जनवरी 2022 में भारत में ट्विटर के 2.4 करोड़ उपयोगकर्ता हैं। ट्विटर प्रयोग करने वालों की संख्या के मामले में भारत विश्व में तीसरे नंबर पर है, पहले पर अमेरिका (7.7 करोड़ और दूसरे पर जापान (5.8 करोड़) हैं। भारत ट्विटर के लिए महत्वपूर्ण बाजार है, लेकिन मस्क के आने के बाद कंपनी इस बाजार में कैसे पांव पसारेगी और क्या दिक्कतें आएंगी, यह देखना रोचक होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि अभी ट्विटर के सीईओ भारतवंशी पराग अग्रवाल हैं, वह इस देश और यहां के लोगों को भलीभांति समझते हैं, लेकिन अब सब मस्क के हाथ में होगा तो उनके विचार अलग हो सकते हैं। एक और अहम बिंदु यह है कि भारत में इंटरनेट मीडिया के नियमों को लेकर ट्विटर का सरकार के साथ बीते वर्ष खासा विवाद रहा था और ट्विटर के तत्कालीन भारत प्रमुख मनीष माहेश्वरी की अदालत में पेशी की स्थिति भी बनी थी। मस्क का भारत सरकार के साथ टेस्ला कारों के आयात शुल्क को लेकर पहले से ही टकराव रहा है। चार माह पहले टेस्ला ने कहा था कि भारत में अपनी कारें लांच करने के लिए वह कई बाधाओं का सामना कर रही है। न्यूयार्क, रायटरः ट्विटर ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा है कि अगर टेस्ला के सीईओ अधिग्रहण से जुड़ा सौदा रद करते हैं तो उन्हें इंटरनेट मीडिया कंपनी को एक अरब डालर का हर्जाना देना होगा। ट्विटर के मुताबिक चूंकि पूरा सौदा नो शाप प्रतिबंधों के अधीन है, इसलिए अगर वह भी सौदा करती है तो उसे भी उतना ही हर्जाना देना होगा। शेयर बाजार को दी जानकारी में यह भी पता चला है कि अगर 24 अक्टूबर तक सौदा पूरा नहीं होता है तो सौदा रद किया जा सकता है। हालांकि एंटी ट्रस्ट और विदेशी निवेश क्लीयरेंस को लेकर अगर किसी तरह की दिक्कत आती है तो सौदे को पूरा करने की समय सीमा छह महीने और बढ़ाई जा सकती है। ट्विटर के बोर्ड ने मस्क की लगभग 44 अरब डालर की अधिग्रहण बोली को मंजूरी दे दी है, जिसके बाद वह इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म के मालिक बनने के बेहद करीब पहुंच गए हैं। नई दिल्ली, आइएएनएसः मस्क द्वारा ट्विटर का अधिग्रहण पूरा करने के बाद इसके संस्थापक जैक डोर्सी को लगभग एक अरब डालर मिलेंगे। द वार्प की रिपोर्ट के मुताबिक डोर्सी के पास कंपनी की 2.4 प्रतिशत हिस्सेदारी (1.8 करोड़ से अधिक शेयर) है और प्रस्तावित सौदे के तहत मस्क उनकी हिस्सेदारी का भी अधिग्रहण करेंगे। डोर्सी ने वर्ष 2006 में कंपनी की स्थापना की थी और जब वह कंपनी के सीईओ थे तब उन्हें 1.40 अरब डालर का सालाना वेतन मिलता था। स्टाक में हिस्सेदारी के चलते मौजूदा सीईओ पराग अग्रवाल को 3.9 करोड़ डालर मिलेंगे। सैन फ्रांसिस्को, आइएएनएसः एलन मस्क की कंपनी टेस्ला का मार्केट कैप 127 अरब डालर घट गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बाजार को ऐसा लगता है कि फ्री स्पीच के मुद्दे पर मस्क को चीन में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। बता दें कि शंघाई स्थित फैक्ट्री में ही उनकी इलेक्ट्रिक कारें बनती हैं। अप्रमेय राधाकृष्ण ने मस्क को कू से जुड़ने का न्योता दिया भारतीय माइक्रोब्लागिंग साइट कू के सह संस्थापक और सीईओ अप्रमेय राधाकृष्ण ने मस्क को कू से जुड़ने का न्योता देते हुए अपने ट्विटर अकाउंट पर लिखा कि हम माइक्रोब्लागिंग साइट्स के लिए एक विकेंद्रीकृत विचार लेकर आए हैं। हम दुनिया की बड़े गैर अंग्रेजी आबादी को आवाज दे रहे हैं और हर देश के कानून का बारीकियों के साथ पालन कर रहे हैं। फ्री स्पीच अभियान लेकर भारत को चिंता करने की जरूरत नहीं टेलीकाम, टेकनेलाजी और नीति विशेषज्ञ एडवोकेट आकाश करमाकर ने बताया कि ट्विटर के फ्री स्पीच अभियान लेकर भारत को न तो चिंता करने की जरूरत है न ही अनावश्यक रूप से सचेत होने की। ट्विटर को भारत में यहां के कानून का पालन करना होगा और हमारे पास सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशा-निर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता 2021) है। इसके अंतर्गत यदि कोई भी आचार-संहिता का उल्लंघन करता है तो जुर्माना या सजा का प्रविधान है। सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि हर देश के कानून का पालन करना होगा। जहां तक ट्विटर के विकल्प की बात है तो किसी भी भारतीय माइक्रोब्लागिंग साइट को उस वैश्विक स्तर पर पहुंचने के लिए बहुत समय लगेगा। मैं भी फ्री स्पीच का समर्थक हूंः आनंद महिंद्रा महद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने लोगों से ट्विटर पर अधिक से अधिक भागीदारी करने को कहा है। उन्होंने कहा कि ट्विटर से ऐसी एजेंसियों को अवश्य जुड़ना चाहिए जो फेक न्यूज का पता लगाने और तथ्य आधारित सूचना देने का काम करती हैं। ट्विटर का अधिग्रहण किए जाने के बाद मस्क ने फ्री स्पीच को लेकर नियमकानूनों को सरल बनाने का वादा किया है। इस बहस के बीच महिंद्रा ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर एक सर्वे कराया था, जिसमें उन्होंने फालोअर्स से इस बात पर राय मांगी थी कि क्या उन्हें मस्क का समर्थन करना चाहिए या नहीं। 80.7 फीसद लोगों ने फ्री स्पीच के मुद्दे पर मस्क का समर्थन करने को कहा है। जबकि 19.3 प्रतिशत ने इस कदम का विरोध किया है। महिंद्रा ने कहा कि बोलने की स्वतंत्रता का मैं भी समर्थक हूं, क्योंकि सेंसरशिप नफरत को खत्म करने का काम नहीं करती है।

अजय देवगन के हिंदी को राष्ट्रभाषा बताने पर कुमारस्वामी ने की खिंचाई, कहा-भाजपा के एजेंडे पर काम कर रहे हैं अभिनेता

बेंगलुरु। बालीवुड अभिनेता अजय देवगन और कनन्ड़ अभिनेता किच्छा सुदीप के बीच हिंदी भाषा के इस्तेमाल को लेकर छिड़ा विवाद अब बढ़ता जा रहा है। इस विवाद में अब कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और जनता दल (सेक्युलर) के नेता एचडी कुमारस्वामी भी कूद पड़े हैं। कुमारस्वामी ने ट्विटर पर लिखा, ठअभिनेता किच्छा सुदीप का कहना है कि हिंदी एक राष्ट्रभाषा नहीं है, एकदम सही है। उनके बयान में गलती खोजने के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने इसी के साथ आगे कहा कि अभिनेता अजय देवगन न केवल स्वभाव से हाइपर हैं, बल्कि अपने

उन्होंने ट्विटर पर छिड़े इस विवाद को लेकर बालीवुड अभिनेता अजय देवगन पर कटाक्ष करते हुए कहा, अजय न केवल स्वभाव से हाइपर हैं, बल्कि अपने अजीब व्यवहार को भी दिखा रहे हैं। एचडी ऊटपटांग व्यवहार को भी दिखा रहे हैं। भाषा की राजनीति करने के लिए केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि देवगन भाजपा के हिंदी राष्ट्रवाद के एजेंडे के मुखपत्र के रूप में बड़बड़ा रहे हैं। एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि शुरू से ही केंद्र में हिंदी आधारित राजनीतिक दल क्षेत्रीय भाषाओं को नष्ट करने के प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जिसने क्षेत्रीय भाषाओं को नष्ट करने की शुरुआत की, अब उसे भाजपा जारी रख रही है। कुमारस्वामी ने आगे कहा कि अगर एक बड़ी आबादी हिंदी बोलती है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि यह राष्ट्रभाषा बन जाती है। उन्होंने आगे ट्वीट किया, ठदेवगन को यह महसूस करना चाहिए कि कनन्ड़ सिनेमा हिंदी फिल्म उद्योग से आगे निकल रहा है। कनन्ड़ सिनेमा के प्रोत्साहन के कारण हिंदी सिनेमा विकसित हुआ है। देवगन को यह नहीं भूलना चाहिए कि उनकी पहली फिल्म 'फूल और कांटे' बेंगलुरु में एक साल तक चली।ठ इससे पहले कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी देवगन को इस मामले पर घेरा था। उन्होंने कहा था कि ठहिंदी हमारी राष्ट्रीय भाषा कभी नहीं थी और कभी नहीं होगी। हमारे देश की भाषाई विविधता का सम्मान करना प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है। प्रत्येक भाषा का अपना समृद्ध इतिहास है, जिस पर लोगों को गर्व होना चाहिए। बता दें कि शुक्रवार को दक्षिण स्टार किच्छा सुदीपा ने हिंदी को भारत की राष्ट्रीय भाषा न होने की बात कही थी। जिसके बाद बालीवुड अभिनेता अजय देवगन के साथ उनका ट्विटर पर वाकयुद्ध हो गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक इवेंट के दौरान सुदीपा ने कहा कि हिंदी अब राष्ट्रभाषा नहीं रही। इसके बाद, देवगन ने अपने ट्विटर हैंडल पर सुदीपा की टिप्पणी पर अपने विचार व्यक्त किए थे। उन्होंने कहा कि, ठकिच्चा सुदीप, मेरे भाई, आपके अनुसार, अगर हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा नहीं है तो आप अपनी फिल्मों को हिंदी में डब करके क्यों रिलीज करते हैं? हिंदी हमारी मातृभाषा और राष्ट्रभाषा थी, है और हमेशा रहेगी।

कैबिनेट के फैसले : छह महीने में 60 हजार करोड़ रुपये उर्वरक सब्सिडी देगी सरकार

पीएम स्वनिधि योजना 2024 तक बढ़ी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उर्वरक की महंगाई के कुप्रभाव से घरेलू किसानों को बचाने के लिए सरकार ने 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक की उर्वरक सब्सिडी की घोषणा की है। यह सब्सिडी चालू खरीफ सीजन के बाबत केवल अप्रैल से सितंबर (छह महीने) के लिए दी गई। पहली छमाही के लिए कुल 60,939.23 करोड़ रुपये की यह सब्सिडी होगी। आगामी रबी सीजन के लिए सब्सिडी की घोषणा बाद में की जा सकती है। किसानों को उनकी खेत की उर्वरा क्षमता और फसल की उत्पादकता बढ़ाने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता है। किसानों को डीएपी अभी भी 1,350 रुपये प्रति बोरी की दर से ही मिलेगी, इस पर 2,501 रुपये प्रति बोरी की सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। ठाकुर ने कहा कि डीएपी पर वर्ष 2020-21 में प्रति बोरी 512 रुपये की सब्सिडी दी गई थी। सूचना प्रसारण मंत्री ठाकुर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उर्वरक की महंगाई का विस्तार से ब्योरा देते हुए कहा कि इन विपरीत परिस्थितियों के बावजूद सरकार किसी भी हाल में किसानों पर बोझ नहीं पड़ने देगी। पोषक आधारित सब्सिडी स्कीम (एनबीएस) की शुरुआत अप्रैल 2010 की गई थी। इसके तहत नाइट्रोजन, फास्फेट और पोटास (एनपीके) पर प्रति किलो के आधार पर सब्सिडी का प्रविधान किया गया है। कैबिनेट ने रेहड़ी पटरी वालों के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना को भी दिसंबर 2024 तक बढ़ाने पर मुहर लगा दी है। इस योजना के तहत बिना किसी गारंटी के रेहड़ी पटरी वालों को कर्ज दिया जाता है। इस योजना की राशि को भी बढ़ाकर 8,100 करोड़ रुपये कर दिया गया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर (ळहग्दह श्हगें ँहर्ले ऊर्ष्ल्ु) ने बताया कि वामपंथी उग्रवाद क्षेत्रों में बेहतर इंटरनेट और डेटा सेवाओं में सुधार के लिए 2जी मोबाइल सेवाओं को 4जी में अपग्रेड किया जाएगा। इसके लिए यूनिवर्सल सर्विस आब्लिगेशन फंड परियोजना को मंजूरी दी गई है। इस पर 2,426.39 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। जिन 2जी टावरों को 4जी में बदला जाना है वे सभी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हैं। इनमें भारत में बने 4जी कोर नेटवर्क, रेडियो नेटवर्क एवं टेलीकाम नेटवर्क का इस्तेमाल किया जाएगा। इन सभी टावरों को भारत संचार निगम लिमि?टेड यानी बीएसएनएल (एन्थ) अपग्रेड करके संचालित करेगा इसके साथ ही केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जम्मू-कश्मीर में 540 मेगावाट की क्वार पनबिजली परियोजना के निर्माण के लिए 4,526.12 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि कैबिनेट ने 4,526.12 करोड़ रुपये की लागत से 540 मेगावाट की क्वार हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना के निर्माण को मंजूरी दी है। यह परियोजना 54 महीनों में शुरू की जाएगी। 540 मेगावाट का क्वार हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट किश्तवाड़ जिले में चिनाब नदी पर बनाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

अज्ञात आरोपी की गिरफ्तारी हेतु 3 हजार रूपये का ईनाम राशि घोषित

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल। 29 अप्रैल 2022- पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना ब्यौहारी जिला शहडोल में अपराध क्रं. 312/19 धारा 363 ताहि. के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। अज्ञात आरोपी की गिरफ्तारी हेतु हर संभव प्रयास किया गया है किन्तु अभी तक अज्ञात आरोपी की गिफ्तारी नही हो सकी है। प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक श्री अवधेश कुमार गोस्वामी ने पुलिस रेग्यूलेशन के पैरा कमांक- 80बी (1) में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए अज्ञात आरोपी की गिरफ्तारी हेतु 3 हजार रूपये ईनाम राशि घोषित किया है तथा जारी आदेश में कहा गया है कि जो कोई अज्ञज्ञत आरोपी की सूचना देगा या गिरफ्तार करायेगा अथवा गिरफ्तारी के लिए विश्वसनीय सूचना देगा, सहयोग करेगा जिसके आधार पर उक्त फरार आरोपी की गिरफतारी की जा सके एवं सूचना देने वाले का नाम सर्वथा गोपनीय रखा जावेगा।

लिथारा की मौत के दोषी बख्शे नहीं जाएंगे, नीतीश कुमार ने केरल के मुख्यमंत्री को दिया भरोसा

पटना। केरल की बास्केटबॉल खिलाड़ी लिथारा केसी की मौत मामले ने तूल पकड़ लिया है। केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने इस मामले की निष्पक्ष जांच के लिए बिहार के सीएम नीतीश कुमार को पत्र लिखा है। इस मामले में सीएम ने सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि सरकार इस घटना से पूरी तरह अवगत है। दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। हालांकि, अभी तक उन्हें केरल के मुख्यमंत्री का पत्र नहीं मिला है। केरल के सीएम ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि केरल के कोझिकोड की रहने वाली इंडियन रेलवे की कर्मी और बास्केटबॉल खिलाड़ी लिथारा की मौत मामले की व्यापक और निष्पक्ष जांच का आदेश संबंधित अधिकारियों को दें। पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर मंडल में अकाउंट विभाग में पोस्टेड लिथारा का शव उनके कमरे में पंखे से लटका मिला था। उनके कमरे से एक नोट भी पुलिस ने बरामद किया था। इस बाबत सीएम नीतीश कुमार की ओर से बताया गया है।

पुलिस आयुक्त अलोक सिंह ने की मातहत अधिकारीयों व थाना प्रभारियों के साथ गोष्ठी , कहा कोरोना के प्रति लोगों को करें जागरूक, अपराधियों की कसें नकेल

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। पुलिस कमिशन्र आलोक सिंह ने आज कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण से लोगों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से पुलिस अधिकारी व थाना प्रभारियों के साथ गोष्ठी की। उन्होंने कोरोना से बचाव व संक्रमण रोकने के लिए सतर्कता बरतने व कोविड-19 प्रोटोकाल का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। क्षेत्र में लगातार निरिक्षण करते हुए कोविड नियमों के पालन कराने के साथ जागरूकता अभियान चलाने के साथ उद्योग, व्यापारिक संस्थान, सोसायटी व सार्वजनिक स्थानों पर शारीरिक दूरी, मास्क व सैनिटाइजेशन के उपयोग के लिए लोगों को जागरूक किया जाए। उन्होंने आगामी त्योहारों पर आपसी सौहार्द्र व शांति व्यवस्था बनाने के लिए धर्म गुरुओं के साथ बैठक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गैंगस्टर अधिनियम की धारा 14 के अंतर्गत अपराधियों और

माफिया के विरुद्ध कड़ी एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सभी थाना क्षेत्रों में उच्चाधिकारियों द्वारा पुलिस बल के साथ नियमित रूप गश्त करने के साथ माल, पब व रेस्तरां आदि के आसपास लगी बड़ी पेयर पुलिस टीम की सक्रिय किया जाए। समाज के आर्थिक व सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग के व्यक्तियों के उत्पीड़न की यदि कोई शिकायत प्राप्त होती है, तो उसे तत्काल गंभीरता से लेकर प्रभावी कार्रवाई की जाए। आईजीआरएस पर प्राप्त होने वाली जनशिकायतों का त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि कारावास में निरुद्ध महिलाओं से जुड़े अपराधों और अन्य गंभीर अपराधों में लिप्त अपराधियों को चिह्नित करते हुए सजा के लिए प्रभावी पैरवी सुनिश्चित की जाए। पुलिस सत्यापन के जो भी प्रार्थना पत्र प्राप्त होते हैं, उनका तत्परता से निस्तारण किया जाए। किसी भी घटना की सूचना मिलने पर पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करे। जीवन रक्षा को प्राथमिकता पर रखते हुए किसी आपराधिक घटना या दुर्घटना में कोई व्यक्ति घायल है और उसे इलाज की जरूरत है तो उसे तुरंत उपचार के लिए ले जाया जाए। गोष्ठी में ज्वाइंट पुलिस कमिशन्र लव कुमार, अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय भारती सिंह, सभी डीसीपी, एडीसीपी, एसीपी व थाना प्रभारी मौजूद रहे।

सोमेंदर तोमर ऊर्जा एवं वैकल्पिक ऊर्जा राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार का प्रथम बार नोएडा आगमन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। वैकल्पिक ऊर्जा राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार का प्रथम बार नोएडा आगमन हुआ। जिले में सभी

जगह उनका स्वागत हुआ। उसके बाद मंत्री जी भाजपा कार्यालय सेक्टर 116 पहुँचे। जहाँ उन्होंने सभी जिला पदाधिकारी, मंडलों के प्रभारी ,अध्यक्ष सभी मोर्चों के अध्यक्ष, मंडल अध्यक्षों की समस्त टीम व कार्यकर्ता से मुलाक़ात किया। कार्यालय में महानगर ज़िलाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने उनका स्वागत किया और उसके बाद उनको सभी पदाधिकारियों से मिलवाया। कार्यकर्ताओं ने मंत्री जी से नॉएडा से सम्बंधित समस्याओं पर चर्चा की। मंत्री जी ने भाजपा की जीत के लिए सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत के लिए धन्यवाद दिया और उनको सभी समस्याओं को जल्द से जल्द निबटने की बात कही। अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने कहा की भाजपा हमेसा सबका साथ सबका विश्वास पर काम करती है और हमेशा जनता के लिए काम करती रहेगी, कार्यकर्ता हमारी पार्टी की रीढ होती हैं उनका मान सम्मान कभी नहीं झुकने देंगे। इस मौक़े पर जिला प्रभारी बसंत त्यागी,जिला महामंत्री उमेश त्यागी,गणेश जाटव,हरीशचंद भाटी,योगेन्द्र चौधरी,उपाध्यक्ष मनीष शर्मा,मुकेश शर्मा, युद्धवीर चौहान , गिरजा सिंह,गिरीश कोटनाला,धर्मेंद्र गुप्ता,विनोद शर्मा,योगेन्द्र चौधरी,रवि यादव,उमेश यादव,पंकज झा,कल्लू सिंह लोकेश कश्यप,लोकेश यादव,एस पी चमोली,अशोक मिश्रा,ओमबीर अवाना,इंद्रजीत जाटव आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मजदूर दिवस की पूर्व संध्या पर बीएल इंटरनेशनल कम्पनी पर होगी बड़ी मजदूर किसान महापंचायत

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। मैसर्स- बी. एल. इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड प्लॉट नंबर- 38, जी, उद्योग विहार ग्रेटर नोएडा के कम्पनी प्रबंधकों द्वारा गैरकानूनी तरीके से कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के विरोध में 28 अप्रैल को 14 वें दिन भी सीटू के बैनर तले कर्मचारियों का कम्पनी के गेट पर धरना प्रर्दशन जारी है।कल दिनांक 27 को उप श्रम आयुक्त श्रीमती वंदना गुप्ता जी ने कम्पनी पर पहुंचकर दोनों पक्षों में वार्ता कराकर समझौता कराने का प्रयास किया लेकिन देर शाम तक घंटों चली वार्ता मे बी एल कम्पनी के प्रबंधकों की हठधर्मिता के चलते समझौता नहीं हो सका। नाराज श्रमिकों ने आंदोलन को तेज करने की घोषणा किया।सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि आंदोलन की रणनीति तय करने के लिए मई दिवस की पूर्व संध्या पर 30 अप्रैल 2022 को शाम 4:00 बजे कम्पनी के समक्ष धरना स्थल पर बड़ी सभा आयोजित की जाएगी जिसे सीटू के राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर के नेताओं के साथ-साथ जनपद के विभिनन मजदूर यूनियनों व किसान संगठनों के नेतागण संबोधित करेंगे।

माटीकला रोजगार योजना के तहत प्रजापति समाज के व्यक्तियों को उद्योग स्थापित हेतु टूल किट का वितरण

नोएडा। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अंबुज कुमार ने प्रजापति/कुम्हार समाज के व्यक्तियों का आह्वान करते हुए जानकारी दी है कि जनपद में उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा मुख्यमंत्री माटी कला रोजगार योजना के अंतर्गत 03 दिवसीय टूल किट वितरण योजनांतर्गत 14 इकाइयों का लक्ष्य शासन द्वारा प्राप्त हुआ है, जिसके अंतर्गत निःशुल्क विद्युत चाक का वितरण किया जाना है एवं 04 इकाइयों को 07 दिवसीय व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा बैंक ऋण पर 25ज्ञ् का अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा।उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना से लाभान्वित होने के लिए इच्छुक व्यक्ति, जिनकी आयु 18 वर्ष से 50 वर्ष के मध्य हो एवं साक्षर हो अपना आवेदन पत्र जिला ग्रामोद्योग कार्यालय विकास भवन कक्ष संख्या 206-207 सूरजपुर गौतम बुद्ध नगर से किसी भी कार्यालय दिवस में प्राप्त कर दिनांक 4 मई तक जमा कर सकते है ।

यमुना एक्सप्रेस वे पर असंतुलित होकर पलट वैन, तीन घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। दनकौर यमुना एक्सप्रेसवे पर आज शाम एक वैन असंतुलित

होकर पलट गई। इस हादसे में वैन में सवार एक किशोरी समेत तीन लोगों को चोट आई है। घायलों का ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक गोरखपुर जिले के तुरकहिया निवासी सुनील परिवार की गुड्डी नामक एक महिला और एक 12 वर्षीय किशोरी के साथ वैन में सवार थे, जिसे सुनील चला रहा था। तीनों एक रिश्तेदार से नोएडा मिलने के लिए यमुना एक्सप्रेसवे होते हुए आ रहे थे। जब उनकी गाड़ी दनकौर कोतवाली क्षेत्र में पहुंची उसी दौरान गाड़ी का एक पहिया अचानक पंचर हो गया। तेज गति में होने के चलते गाड़ी असंतुलित होकर पलट गई। हादसे में तीनों को चोट आई है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस और एक्सप्रेसवे कर्मियों ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के अनुसार सुनील को गंभीर चोट आई है, जबकि महिला व किशोरी की हालत खतरे से बाहर है। दनकौर कोतवाली प्रभारी राधा रमण सिंह का कहना है कि इस संबंध में अभी कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारियों की दारोगा से झड़प, कार्यकर्ताओं ने किया कोतवाली में हंगामा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर-39 कोतवाली में आज वीएचपी और कोतवाली में तैनात एक दारोगा के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि वीएचपी के पदाधिकारी एक कार्यकर्ता को हिरासत में लिए जाने के बाद कोतवाली पहुंचे थे। यहां उनका दारोगा से विवाद हो गया। इसके बाद पुलिस ने पांच लोगों से मारपीट के आरोप में दस से अधिक वीएचपी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। विवाद बढ़ता देख बड़ी संख्या में वीएचपी कार्यकर्ता भी कोतवाली पहुंचे हैं। कार्यकर्ताओं ने दारोगा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मामले को शांत कराने में लगे हैं। कानून व्यवस्था के मद्देनजर कई कोतवाली की फोर्स सुरक्षा के मद्देनजर कोतवाली के बाहर तैनात की गई है। एडिशनल डीसीपी नोएडा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

दुकान निर्माण संचालन योजना हेतु दिव्यांगजन कर सकते है आवेदन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह के निर्देशों के अनुपालन में जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी लवेश कुमार सिसौदिया ने जनपद के समस्त दिव्यांग जन का आह्वान करते हुए जानकारी दी है कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित दुकान निर्माण/संचालन योजना का लाभ उठाने के लिए विभाग के वेब पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदक द्वारा उक्त योजना का लाभ उठाने के लिए दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की वेब पोर्टल पर ऑनलाइन अपना आवेदन करना होगा, इस योजना के अंतर्गत प्रति लाभार्थी को वित्तीय सहायता के रूप में 10,000 रुपए मात्र की धनराशि दी जाती है। इसमें 7500 रुपए की धनराशि 4ज्ञ् वार्षिक साधारण ब्याज की दर पर ऋण के रूप में तथा 2500 रुपए की धनराशि अनुदान के रूप में दिए जाने की व्यवस्था है।उन्होंने बताया कि योजना से लाभान्वित होने के लिए आवेदक उत्तर प्रदेश का मूल निवासी हो, दिव्यांगता प्रदर्शित करता हुआ नवीनतम संयुक्त फोटो, वार्षिक आमदनी गरीबी की रेखा की सीमा के दो गुने से अधिक नहीं हो इस संबंध में तहसीलदार द्वारा जारी निर्गत आय प्रमाण पत्र मान्य होगा, आयु प्रमाण पत्र जिसमें जन्म तिथि का अंकन हो, मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र के अनुसार दिव्यांगता 40ज्ञ् या उससे अधिक होनी चाहिए, राष्ट्रीय कृत बैंक में संचालित बैंक खाता पासबुक, अधिवास (निवास) का प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की छाया प्रति आदि अभिलेखों के साथ अभिलेखों को स्वप्रमाणित कर ऑनलाइन आवेदन अपलोड कराकर हार्ड कॉपी समस्त संलगन्को के साथ कार्यालय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग विकास भवन सूरजपुर कमरा नंबर 107 गौतमबुद्धनगर में जमा करा सकते हैं। राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी ।

खेलो इंडिया सेंटर के संचालन हेतु प्रशिक्षक की आवश्यकता

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। उप क्रीड़ा अधिकारी अनीता नागर ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला खेल कार्यालय गौतम बुद्ध नगर में खेलों इंडिया सेंटर का संचालन किया जा रहा है, जिसके लिए एक प्रशिक्षक की आवश्यकता है। उन्होंने प्रशिक्षक की पात्रता के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर, राष्ट्रीय स्तर पदक विजेता एवं एन0आई0एस0 डिप्लोमा धारी खिलाड़ी प्रशिक्षक के लिए समस्त प्रमाण पत्रों के साथ अपना आवेदन दिनांक 5 मई तक जिला खेल कार्यालय गौतम बुद्ध नगर में जमा कर सकते हैं। राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी।

कोविड संक्रमण बढ़ने के कारण कमिश्नरेट में भी सतर्कता बरतने एवं कोविड-19 प्रोटोकॉल का अनुपालन कराने के लिये आमजन को जागरूक करने का अभियान

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। पुलिस कमिशन्र गौतमबुद्धनगर के निर्देशानुसार कमिशन्रेट के सभी थाना क्षेत्रों में प्रभावी गस्त करते हुये मॉल, पब्स, रेस्टोरेंट आदि के आसपास बडी

पेयर पुलिस टीम लगाई गयी है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों/थाना प्रभारियों द्वारा तैनात की गयी पुलिस टीम को मौके पर जाकर संदिग्ध व्यक्ति/वाहनों को चेक करने के लिये निर्देशित किया जा रहा है, जिससे किसी अप्रिय घटना होने की सम्भावना न रहें। कोरोना के संक्रमण बढ़ने के दृष्टिगत जनपद में भी सतर्कता बरतने एवं कोविड-19 प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिये सभी पुलिस अधिकारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहते हुये कोविड नियमों के पालन हेतु जनता को जागरूक करने के लिये जागरूकता अभियान चलाया जा रहा हैं। सभी भीड भाड वाले स्थानों, बाजारों, मैट्रों स्टेशनों पर, औद्योगिक इकाइयों में, व्यापारिक संस्थानों में तथा सार्वजनिक स्थानों पर एवं आवासीय सोसायटियों में सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क का प्रयोग करना, सैनिटाइजेशन आदि के उपयोग के लिये आमजन को जागरूक किया जा रहा है। ताकि सभी जनपदवासी कोरोना वायरस के संक्रमण से सुरक्षित बने रहे साथ ही ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को भी कोविड-19 सक्रमण से बचाव हेतु मास्क का प्रयोग करने, हाथों को बार बार सेनेटाइज करते रहने के लिये भी निर्देशित किया गया। इसी के साथ कोविड-19 नियमो का पालन न करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही के दौरान बिना मास्क पाये जाने वाले कुल 373 व्यक्ति के चालान भी किए गए। इसी के साथ दिनांक 28.04.2022 को कमिशन्रेट गौतमबुद्धनगर के सभी थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन करने वाले व शराब पीकर वाह चलाने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध संघन चैकिंग अभियान चलाते हुये कुल 2199 संदिग्ध व्यक्तियों को चौक किया गया व 63 व्यक्तियों के विरूद्ध 290 भादवि में कार्यवाही की गयी ।

भूगर्भ जल में बढ़ोत्तरी, सिंचाई के लिए उपयोगी सिद्ध हुई है ''खेत तालाब योजना''

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के किसानों को सिंचाई, बुआई, बीज, खाद, कृषि उपकरण सहित लाभ पहुचाते हुए हर स्तर पर सुविधा दे रही है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों को परम्परा गत ढंग से सिंचाई के लिए ''खेत तालाब योजना'' लागू की है। यह योजना प्रदेश के सभी किसानों के लिए है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक किसान जो अपने खेतों के आसपास, बीच में तालाब बनायेगें, उन्हें राज्य सरकार की ओर से सब्सिडी प्रदान की जा रही है। प्रदेश सरकार की इस योजना को शुरू करने का उद्देश्य यह है कि बरसात का पानी जमा करा कर किसानों की खेती में सिंचाई की मात्रा को बढ़ावा देना है इससे किसानों को दोनों तरफ से लाभ प्राप्त होगा। किसान खेत में फसल की सिंचाई के साथ-साथ मत्स्य पालन भी कर सकते हैं। सरकार की खेत तालाब योजना से भूगर्भ जल में बढ़ोत्तरी भी हो रही है और किसानों की फसल में अच्छा उत्पादन भी हो रहा है। उत्तर प्रदेश खेत तालाब योजना किसानों के लिए शुरू की गयी है। इस योजना के माध्यम से प्रत्येक किसान जो अपने खेत के सामने या बीच में, जहां बारिश का पानी ज्यादा इकट्ठा होता है अगर वहां किसान तालाब बनाते है, तो किसानो को इस योजना के तहत 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी प्रदान की जाती है। इस तालाब को बनाने का मुख्य उद्देश्य यह भी है कि बरसात के मौसम में दो चार दिन तक लगातार बारिश के समय जो बरसाती पानी फसलों को बर्बाद कर देता है, उसे तालाब बना कर इकट्ठा कराया जाए, इससे किसानों की फसल सुरक्षित रहेगी और इकट्ठे पानी से किसानों को सिंचाई के लिए ट्यूबवेल का इस्तेमाल ज्यादा नहीं करना पड़ेगा। साथ ही जिन किसानों के पास सिंचाई के लिए मोटर सुविधाएं जो बिजली से चलती हो और वहां लाइट की सुविधा न पहुंच पा रही हो उस स्थिति में किसानों की खेती में सिंचाई के लिए पानी की सुविधा देने के लिए तालाब बनवाये जायें। ताकि किसानों को खेती में सिंचाई करने में किसी भी प्रकार की समस्या न उठानी पड़े। तालाबों में किसान बरसात एवं अन्य स्थानों से आने वाले पानी को एकत्र कर सकेंगे और अपनी फसलों को ठीक से सिंचित कर सकेंगे। खेत तालाब योजनान्तर्गत खेत में प्लास्टिक लाइनिंग पौंड-साइज 20203 मीटर (फैब्रिक एरिया 635 वर्ग मीटर), प्लास्टिक लाइनिंग पौंड-साइज 32323 मीटर (फैब्रिक एरिया 1426 वर्ग मीटर), प्लास्टिक लाइनिंग पौंड-साइज 45453 मीटर (फैब्रिक एरिया 2642 वर्ग मीटर) आकार के तालाब खुदवाने का प्राविधान है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनान्तर्गत उत्तर प्रदेश खेत तालाब योजना में अनुदान राशि राज्य के सभी श्रेणी के कृषकों को लागत का 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम राशि रूपये 52,500 कच्चे फार्म तालाब पर और 75,000 रूपये की राशि-प्लास्टिक लाइनिंग कार्य के साथ 300 श्म्दिहॅगे के लिए देय है। बुंदेलखण्ड को सूखे से बचाने में खेत-तालाब योजना से बहुत मदद मिली है। राज्य के अधिक से अधिक किसानों को इस योजना का लाभ प्रदान कराया गया है। राज्य में पिछले आंकड़ों के हिसाब से बुंदेलखण्ड के चित्रकूट, बॉदा, हमीरपुर, जालौन, झांसी, महोबा, ललितपुर में हजारों किसानों के खेत में तालाब बनाए गए हैं। जिसमें किसान वर्षा का पानी एकत्रित कर अपनी फसल की सिंचाई करते हुए उत्पादन में बढोत्तरी कर रहे है।इच्छुक लाभार्थी किसान राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई, इस योजना में लाभ लेना चाहते हैं, तो उन्हें योजना की ऑफिशियल वेबसाइट [illegible] पर जाकर आवेदन करना होता है। खेत तालाब योजना के शुरू होने से वे सभी किसान जो पहले पानी की समस्या को लेकर और तालाब बनाने के लिए असमर्थ थे अब वह आसानी से योजना का लाभ उठा कर अपने खेतों में तालाब का निर्माण कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश खेत तालाब योजना भूगर्भ जल के स्तर में वृद्धि लाने में भी सहायक हो रहा है। उत्तर प्रदेश खेत तालाब योजना का लाभ लेने के लिए किसान को उत्तर प्रदेश राज्य का निवासी होना अनिवार्य है। इस योजना का लाभ प्रदेश के अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक तथा लघु सीमान्त किसानों को भी मिलेगा। प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गयी इस योजना का लाभ परिवार में केवल एक ही किसान उठा सकता है। योजना में आवेदन वही किसान करेंगे जिनकी उम्र 18 वर्ष से अधिक हो। इस योजना के अतंर्गत किसानों के पास बैंक खाता होना आवश्यक है और बैंक अकाउंट आधार कार्ड से लिंक भी होना चाहिए। वर्तमान सरकार ने बुन्देलखण्ड क्षेत्र सहित प्रदेश के अन्य जनपदों में सिंचन क्षमता बढ़ाने के लिए खेत तालाब योजना का विस्तार करते हुए वर्ष 2017-18 में बुन्देलखण्ड क्षेत्र में 2549 खेत तालाबों एवं प्रदेश के अन्य अतिदोहित एवं दोहित जिलों में 835 खेत तालाबों का निर्माण कार्य पूर्ण कराया है। इस प्रकार वर्ष 2017-18 में प्रदेश में कुल 3384 खेत तालाबों का निर्माण कराया गया। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अन्तर्गत वर्ष 2018-19 में कुल 5000 खेत तालाबों का निर्माण कराया गया। योजनान्तर्गत निर्मित खेत-तालाबों पर स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली की स्थापना हेतु लघु एवं सीमांत कृषकों को 90 प्रतिशत तथा अन्य कृषकों को 80 प्रतिशत अनुदान अनुमन्य है। वर्ष 2019-20 में योजनान्तर्गत 5261 तालाबों का निर्माण कराया गया। वर्ष 2020-21 में 4427 तालाबों का निर्माण कराया गया। वर्ष 2021-22 में 10000 खेत तालाब निर्माण लक्ष्य के सापेक्ष माह मार्च, 2022 तक 5860 खेत-तालाबों का निर्माण किया गया। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में मार्च, 2022 तक 27316 से अधिक खेत तालाबों का निर्माण कराया गया है, जिससे किसान अपनी हजारों एकड़ फसल की सिंचाई मत्स्य पालन करते हुए, खाद्यान्न-उत्पादन कर आर्थिक स्थिति मजबूत कर रहे है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का ध्येय है कि प्रदेश के किसान 'खेत तालाब योजना' का लाभ उठाते हुए अपना विकास करें। प्रदेश सरकार ने आगामी वर्षों में एक लाख खेत तालाब बनवाने का लक्ष्य रखा है, जिसको साकार करने के लिए कृषि विभाग के अधिकारी लगातार किसानों से सम्पर्क करते हुए तालाब बनवा रहे हैं।

अजय देवगन की 'रनवे 34' ने की धीमी शुरुआत, पहले दिन कमाए सिर्फ इतने रुपए

नई दिल्ली। अजय देवगन की फिल्म 'रनवे 34' इस शुक्रवार सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। इससे पहले एक्टर की आईं तीनों फिल्में 'सूर्यवंशी', 'गंगूबाई काठियावाड़ी' और 'आरआरआर' जबरदस्त हिट रहीं, ऐसे में अजय देवगन और उनके फैंस के रनवे 34 से काफी उम्मीदें हैं। फिल्म का रिव्यू भी ठीक-ठाक रहा है और रिलीज के लिए ईद के पहले की डेट चुनना भी फायदे का सौदा माना गया। पर बावजूद इसके फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। अजय देवगन की इस फिल्म का हाल, शाहिद कपूर की जर्सी जैसा होता दिख रहा है। 'तानाजी द अनसंग वॉरियर' की शानदार कामयाबी से अजय देवगन के हौसले काफी बुलंद हैं। कोरोना काल में आई तीनों फिल्मों ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया, फिर ऐसा क्या हुआ जो रनवे 34 ठीक से टेकऑफ नहीं कर पाई। फिल्म ने शुरुआती आंकड़ों के हिसाब से पूरे देश में सिर्फ 3 से

लेकर 3.5 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। हालांकि फिल्म में अजय देवगन, अमिताभ बच्चन जैसे बड़े नाम शामिल हैं फिर भी इसकी उड़ान इतनी ऊंची नहीं हो पाई।ईद से पहले रिलीज हुई एविएशन थ्रिलर 'रनवे 34' में अजय ने अभिनय के साथ साथ फिल्म का डायरेक्शन भी किया है। बतौर डायरेक्टर ये उनकी तीसरी फिल्म है और इस फिल्म का हश्र भी पिछली फिल्मों जैसा ही होता नजर आ रहा है। वैसे बता दें कि अभी वीकेंड के दो दिन बचे हैं। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि शनिवार और रविवार को फिल्म अच्छा बिजनेस करेगी। उम्मीद की जा रही थी कि रनवे 34 पहले दिन कम से कम 5 करोड़ की कमाई तो करेगी, पर ऐसा हो न पाया। फिल्म 'रनवे 34' के साथ ही रिलीज हुई फिल्म टाइगर श्रॉफ की 'हीरोपंती 2'। टाइगर की फिल्म को रनवे 34 से बेहतर ओपनिंग मिली है। इसके पीछे का कारण शायद जैकी श्रॉफ के बेटे की यूथ के बीच जबरदस्त फैन फॉलोइंग हो सकती है। 'हीरोपंती' 2 ने अजय देवगन की फिल्म से दोगुना कलेक्शन किया है। हालांकि अपने तीसरे हफ्ते में चल रही आरआरआर ने कमाई के मामले में सबको पीछे छोड़ दिया है।

स्पाई एजेंट बन कंगना रनोट ने दिखाया बेरहम अंदाज, एक्शन में दे रही हैं सबको मात

नई दिल्ली। अभिनेत्री कंगना रनोट ने हाल ही में अपनी मच अवेटेड फिल्म 'धाकड़' का टीजर रिलीज किया था। जिसके बाद से एक्ट्रेस अपने लुक और एक्शन को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। कंगना की यह फिल्म हाई ऑक्टेन स्पाई थ्रीलर है। जिसमें वह 'अग्नि' नाम की एक स्पाई एजेंट का किरदार निभाती हुई नजर आएंगी। दर्शकों को फिल्म का टीजर काफी पसंद आया था। जिसके बाद से वह 'धाकड़' के ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे और आज उनका यह इंतजार खत्म करते हुए फिल्म का दमदार ट्रेलर जारी कर दिया गया है। ट्रेलर में कंगना अपने कैरेक्टर के नाम की तरह ही आग लगाती हुई नजर आ रही है, जिसकी लपटों से बचना दुश्मन के लिए मुश्किल ही नहीं नामुमकिन दिख रहा है। 'धाकड़' एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की जासूसी थ्रिलर फिल्म है। जिसमें कंगना जबरदस्त स्टंट और एक्शन सीन्स करते हुए नजर आ रही हैं और अपनी परफॉर्मेंस से कहीं भी चूकती हुई नहीं दिख रही हैं। फिल्म की कहानी एशिया में फैले ह्यूमन ट्रैफिकिंग के इर्द-गिर्द घूमती है। जिसकी जड़ों तक पहुंचने के लिए कंगना रनोट को एजेंट अग्नि के रूप में भेजा जाता है लेकिन, इस मिशन में कुछ ऐसा है जो अग्नि

की पर्सनल लाइफ से जुड़ा हुआ है और उसे इस बात की जानकारी मिशन के दौरान नहीं दी जाती है वहीं अर्जुन रामपाल फिल्म में विलेन के किरदार में हैं, जो इस ह्यूमन ट्रैफिकिंग के पीछे की असली जड़ हैं। फिल्म में अग्नि जितनी धाकड़ एजेंट है उनता ही धमदार फिल्म का विलेन यानी अर्जुन रानपाल भी है। दिव्या दत्ता की बात की जाए तो उन्हें ट्रेलर में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं दिया गया लेकिन, उनका किरदार भी काफी धमाकेदार लग रहा है। यहां देखें एक्शन और ड्रामा से लबरेज 'धाकड़' का ट्रेलर कंगना की इस फिल्म का निर्देशन रजनीश घई ने किया है। जबकि दीपक मुकुट और सोहेल मकलई ने इस फिल्म को प्रोड्यूस किया है। फिल्म में कंगना के अलावा अर्जुन रामपाल और दिव्या दत्ता भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। बॉलीवुड में बनने वाली महिला प्रधान फिल्मों में से यह अब तक की सबसे अलग फिल्म होने वाली है। जिसमें कंगना अपने अब तक के निभाए गए किरदारों से एकदम अलग नजर आएंगी। 'धाकड़' के मेकर्स फिल्म को पहले 27 मई को रिलीज करने वाले थे। जिसकी जानकारी कंगना ने इंस्टाग्राम पर भी शेयर की थी लेकिन, फिल्म की डेट में बदलाव करते हुए इसे एक हफ्ते पहले रिलीज किया जा रहा है। अब 'धाकड़' 20 मई, 2022 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म को चार भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। 'थलाइवी' के बाद यह कंगाना की दूसरी पैन इंडिया फिल्म है। जिसे हिंदी के आलावा तमिल, तेलुगू और मलयालम में रिलीज किया जाएगा।

पवन सिंह के तलाक की खबरों के बीच एक्स गर्लफ्रेंड अक्षरा सिंह ने मारा ताना

नई दिल्ली, जेएनएन। भोजपुरी के सुपरस्टार पवन सिंह के तलाक की खबर आग की तरह फैल गई। लोग ये सुनकर काफी शॉक्ड हुए कि पवन सिंह अपनी दूसरी पतने ज्योति सिंह से तलाक लेने के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटा चुके हैं। वैसे तो एक्टर की जिंदगी लोगों के बीच

चर्चा का विषय काफी पहले से रही, चाहे पहली पतने का आत्महत्या करना हो, या फिर उनके अफेयर की खबरें। इसी बीच पवन सिंह की एक्स गर्लफ्रेंड एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इशारों-इशारों में उन्हें ताना मारते हुए ये सब कर्मों का फल बताया है। पवन ने अपनी दूसरी पतने को तलाक देने के लिए कोर्ट में अर्जी दाखिल दी है इसी बीच अक्षरा ने अपना एक ऐसा नया गाना रिलीज किया है, जिसका कनेक्शन लोग सीधे पावर सिंह से जोड़ रहे है। भोजपुरी सिनेमा की खूबसूरत एक्ट्रेस अक्षरा सिंह अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दो पोस्ट शेयर किए है। जिसमें से एक है, उनके नए सॉन्ग 'अब किसका घर जलाओगे' के रिलीज से जुड़ा। गाने के शुरुआती बोल हैं, 'हमको तो रुला ही चुके कितनों को रुलाओगे..बोलो अब किसका घर जलाओगेष्ठ' वीडियो में अक्षरा काफी ग्लैमरस लुक में काफी अपसेट नजर आती हैं। तो वही दूसरी इंस्टा स्टोरी में अक्षरा ने एक कोट शेयर किया है, जिसमें लिखा है, ' ताउम्र बस यही सबक याद रखिए, इश्क और इबादत में नीयत साफ रखिए..' इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'लोग भूल जाते हैं लेकिन कर्मा कभी माफ नहीं करता'। लोगों का मानना है कि ये निश्चित तौर पर पवन सिंह के लिए ही लिखा गया होगा। दरअसल, पवन सिंह और अक्षरा कभी रिलेशनशिप में थे। दोनों के अफेयर के चर्चे उस वक्त उजागर हुए थे जब पवन सिंह की पहली पतने ने सुसाइड किया था। बाद में अक्षरा को पवन की सच्चाई का पता चला कि वो किसी से शादी करने जा रहे हैं, तो उन्होंने उनसे रिश्ता खत्म कर दिया। बिग बॉस ओटीटी में भी अक्षरा सिंह ने इसका खुलासा किया था ।

कटरीना कैफ ने शेयर की थ्रोब्रेक फोटो, पतली दुबली एक्ट्रेस को पहचान पाना हुआ मुश्किल

नई दिल्ली। एक्ट्रेस कटरीना कैफ सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है। कभी पति विक्की कौशल के साथ तो कभी सोलो फोटेज शेयर

करती है। बीते दिन ही एक्ट्रेस ने बिकिनी तस्वीर शेयर की थी। वहीं आज उन्होंने अपनी एक सालों पुरानी तस्वीर शेयर कर दी। जिसमें कटरीना को पहचान पाना बेहद मुश्किल हो रहा है। इस तस्वीर को कटरीना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। फोटो में वह गार्डेन में बैठी हुई दिखाई दे रही है और उनके पास कुछ बकरियां खड़ी हुई हैं। एक्ट्रेस ने ओवर साइज्ड ब्लू डेनिम जैकट पहनी है और बालों के बांधा हुआ है। कटरीना की यह फोटो सालों पुरानी लग रही है क्योंकि वह काफी कम उम्र की दिख रही है। कटरीना काफी पतली- दुबली नजर आ रही हैं लेकिन फिर भी बहुत मासूम और प्यारी लग रही है। इस फोटो को पोस्ट करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा- 'उस समय भी ओवरसाइज पहनती थी।उनकी इस तस्वीर पर विक्की कौशल ने भी रिएक्ट किया है और अपनी क्यूट सी पतने के लिए हार्ट इमोटीकन बनाया है। विक्की के आलाव एक्ट्रेस करिश्मा कपूर ने कमेंट करते हुए लिखा- 'ये अच्छा लगा।' श्वेता बच्चन ने 'खूबसूरत' लिखा तो वहीं नेहा धूपिया ने हार्ट इमोजी बनाया। एक्ट्रेस की यह फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और फैंस को उनका यह अंदाज खूब पसंद आ रहा है। कटरीना के फैंस उनकी यह अनदेखी तस्वीर बिल्कुल भी मिस नहीं करना चाहते है।वर्कफ्रंट की बात करें तो कटरीना की कई फिल्में पाइपलाइन में हैं। उनके पास ईशान खट्टर और सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ 'फोन भूत', सलमान खान के साथ 'टाइगर 3', श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित 'मेरी क्रिसमस' है। इसके आलावा उनके पास फरहान अख्तर की फिल्म 'जी ले जरा' भी है।

उर्फी क्या कर रहीं थीं एडल्ट फिल्म की शूटिंग मौके पर पहुंची पुलिस

नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस उर्फी जावेद हमेशा ही अपने अजीबो-गरीब फैशन के लिए जानी जाती है। वह अक्सर ही अपने कपड़ों से लोगों को हैरान करती हैं। इसकी वजह से उर्फी को हमेशा ही ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। हालांकि उर्फी को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है और वह अपने फैंस के साथ जुड़ी रहती है। लेकिन अब उर्फी को लेकर जो बात सामने आई है उसे जानकर आप भी हैरान होने वाले हैं। उर्फी को कथितौर पर एडल्ट फिल्म की शूटिंग करते हुए

पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ लिया। तो चलिए जानते हैं कि आखिर पूरा माजरा क्या है उर्फी जावेद को लेकर एएनआई ने एक ट्वीट किया है। इस ट्वीट में उर्फी की एक तस्वीर है जिसमें एक आदमी पुलिस की वर्दी में नजर आ रहा है। इस तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा है, 'क्या एडल्ट फिल्म की शूटिंग में पकड़ी गई उर्फी जावेद? जानिए आगे क्या हुआ।' ये ट्वीट देखकर आपको भी ऐसा लग रहा होगा कि सच में उर्फी किसी एडल्ट फिल्मी शूटिंग में पकड़ी गई हैं लेकिन ऐसा नहीं है।दरअसल, कॉन्टेंट क्रिएटर रोहित गुप्ता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो कुछ दिनों पहले शेयर किया था। इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि वह एक ऑफिस में नजर आ रही हैं। इस दौरान उन्होंने काफी बोल्ड ड्रेस कैरी किया है। उर्फी एक निर्देशक से मिलने उसके ऑफिस आईं हुई थीं। इसके बाद निर्देशक उन्हें बताता है कि ये एक सीक्रेट प्रोजेक्ट है और फिल्म में रणबीर कपूर विलेन के किरदार में है। इस फिल्म को लेकर उर्फी इस दौरान काफी एक्साइटेड दिखाई दे रही हैं। वहीं इसके बाद उन्हें बताया जाता है कि मूवी में बतौर लीड एक विदेशी एक्टर को लिया गया है और सिंगर बादशाह इस फिल्म के लिए संगीत तैयार करेंगे। इसके बाद एक दूसरे निर्देशक रोहित (कॉन्टेंट क्रिएटर) की एंट्री होती है। उनके साथ एक्टर नजर आ रहा है, जिसे लीड रोल के लिए लिया गया है। उसे देखकर उर्फी अभिनेता के विदेशी होने के बारे में पूछती है तो बताया जाता है कि वह युगांडा से है। वहीं बाद में निर्देशक उर्फी से उस एक्टर के साथ ऑडिशन देने के लिए कहता है और उन्हें एक्टिंग के लिए अजीब से डायलॉग देता है। इसी दौरान तभी अचानक वहां एक पुलिस अधिकारी आ जाता है और एडल्ट फिल्म की शूटिंग के लिए वहां मौजूद तीन लोगों की पिटाई शुरू कर देता है। जिसके बाद दोनों उर्फी के ऊपर ही सारा इल्जाम लगा देते हैं। ये सब देखकर उर्फी काफी हैरान रह जाती है। उन्हें काफी गुस्सा आता है और वह अपने मैनेजर को कॉल करती है और इस तरह के ऑडिशन शेड्यूल करने के लिए उसपर चिल्लाने लगती है। इस पूरी कहानी में ट्विस्ट तब आता है जब फोन पर उनका मैनेजर बताता है कि ये सब उनके साथ शरारत थी यानी उर्फी के साथ प्रैंक किया जा रहा था। हकीकत में वहां न कोई एडल्ट फिल्म की शूटिंग हो रही थी और न ही उर्फी उसमें शामिल थीं।

दादासाहब फाल्के जन्म जयंती विशेष पत्नी के सारे जेवर गिरवी रखकर दादासाहब फाल्के ने बनाई थी राजा हरिश्चंद्र

मुंबई। जिन्होंने बोए स्वदेशी सिनेमा के बीज विदेशी फिल्मों के दौर में विशाल भारतीय सिनेमा की नींव रखी थी दादासाहब फाल्के ने । वर्ष 1913 में उन्होंने पहली भारतीय फीचर फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' बनाकर साबित कर दिया था कि संसाधनों की कमी स्वावलंबन के आड़े नहीं आ सकती। 30 अप्रैल, 1870 को नाशिक से करीब 29 किमी दूर त्र्यंबकेश्वर में एक मराठी परिवार में जन्मे दादासाहब फाल्के का असल नाम धुंडीराज गोविंद फाल्के था। कला के प्रति रुझान देखते हुए पिता ने उन्हें साल 1885 में मुंबई के जे. जे. स्कूल आफ आर्ट्स कालेज में प्रवेश की अनुमति दे दी। पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद दादासाहब से उम्र में 12 साल बड़े भाई शिवरामपंत फाल्के उन्हें साल 1886 की शुरुआत में तत्कालीन बड़ौदा के कला भवन ले आए। दादासाहब ने बड़ौदा प्रवास के दौरान फिल्म निर्माण के विषय में ज्ञान अर्जित किया। 1886 में उनका विवाह मराठी महिला से हुआ। 1890 में उन्होंने फिल्म कैमरा खरीदा और फोटोग्राफी में प्रयोग करने लगे। तमाम कलाओं में पारंगत होने के बावजूद उनके लिए जीविकोपार्जन आसान नहीं था। इसी दौरान वर्ष 1900 में गोधरा में प्लेग फैलने से उनकी पतने का निधन हो गया। यह उनके लिए बड़ा झटका था। 30 अप्रैल, 1870 को नाशिक से करीब 29 किमी दूर त्र्यंबकेश्वर में एक मराठी परिवार में जन्मे दादासाहब फाल्के का असल नाम धुंडीराज गोविंद फाल्के था। कला के प्रति रुझान देखते हुए पिता ने उन्हें साल 1885 में मुंबई के जे. जे. स्कूल आफ आर्ट्स कालेज में प्रवेश की अनुमति दे दी। पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद दादासाहब से उम्र में 12 साल बड़े भाई शिवरामपंत फाल्के उन्हें साल 1886 की शुरुआत में तत्कालीन बड़ौदा के कला भवन ले आए। दादासाहब ने बड़ौदा प्रवास के दौरान फिल्म निर्माण के विषय में ज्ञान अर्जित किया। 1886 में उनका विवाह मराठी महिला से हुआ। 1890 में उन्होंने फिल्म कैमरा खरीदा और फोटोग्राफी में प्रयोग करने लगे। तमाम कलाओं में पारंगत होने के बावजूद उनके लिए जीविकोपार्जन आसान नहीं था। इसी दौरान वर्ष 1900 में गोधरा में प्लेग फैलने से उनकी पतने का निधन हो गया। यह उनके लिए बड़ा झटका था। दादासाहब में नई कला सीखने की ललक रहती थी। एक बार एक जर्मन जादूगर बड़ौदा आया। उससे दोस्ती कर दादासाहब ने रासायनिक प्रतिक्रियाओं, तकनीकी विचारों, भ्रम, ताश खेलने की ट्रिक्स के जरिए जादू करना सीखा। इससे उन्हें फिल्ममेकिंग में ट्रिक्स फोटोग्राफी में मदद मिली। साल 1901 के अंत में दादासाहब ने जादू के सार्वजनिक कार्यक्रमों का आयोजन प्रो. केल्फा (उनके उपनाम के अक्षर उल्टे क्रम में) के नाम से किया और जादूगर के रूप में लोकप्रिय हुए। साल 1902 में उनकी दूसरी शादी सरस्वतीबाई से हुई। उसी साल आकियोलाजिकल सर्वे डिपार्टमेंट में बतौर फोटोग्राफर और ड्राफ्टमैन उनकी नौकरी लगी। बंगाल विभाजन के खिलाफ आंदोलन का उन पर गहरा प्रभाव था। परिणामस्वरूप उन्होंने 1906 में नौकरी से इस्तीफा दे दिया। फिल्मों में दादासाहब के आने का दिलचस्प वाकया है। उस समय खुले में थिएटर चलता था। एक बार दादासाहब पतनी सरस्वतीबाई को फिल्म दिखाने ले गए। ईस्टर का दिन था तो ईसा मसीह के जीवन पर फिल्म दिखाई जा रही थी। तब दादासाहब ने सोचा कि भारतीय लोग अपनी संस्कृति कैसे देख पाएंगे? उसके लिए अवश्य कुछ करना चाहिए। उन्होंने सोचा कि किसी को तो यह पहल करनी ही होगी तो क्यों न मैं ही करूं। तब उन्होंने पतने से कहा, 'मैं ऐसी चलती-फिरती तस्वीरों का कारोबार शुरू करने जा रहा हूं।' तकनीकी ज्ञान के लिए दादासाहब लंदन जाना चाहते थे, लेकिन उनके पास पैसे नहीं थे। उन्होंने अपने मित्र और नाडकर्णी एंड कंपनी के मालिक यशवंतराव नाडकर्णी के पास इंश्योरेंस पालिसी गिरवी रखकर 10 हजार रुपए का ऋण लिया और लंदन आ गए। यहां वे पिकाडिली सर्कस क्षेत्र में 'बायोस्कोप सिने-वीकली' के दफ्तर गए और संपादक केपबर्न से मुलाकात की। जब दादासाहब ने उन्हें अपनी यात्रा का उद्देश्य बताया तो केपबर्न ने दादासाहब को फिल्म निर्माण में न उतरने की सलाह दी। किताब 'दादासाहब फाल्केः द फादर आफ इंडियन सिनेमा' के लेखक बापू वाटवे के मुताबिक, 'दादासाहब ने दृढ़ता से कहा कि मेरे पास सभी कठिनाइयों को पार करने के लिए आत्मविश्वास और दृढ़ता है।' दादासाहब के व्यक्तित्व से केपबर्न काफी प्रभावित हुए और मशहूर फिल्म निर्माता सेसिल हेपवर्थ से दादासाहब फाल्के को मार्गदर्शन देने का अनुरोध किया। दादासाहब स्टूडियो के सभी विभाग और काम को देख सकते थे। तब दादासाहब ने आवश्यक उपकरण खरीदे। इसी दौरान वह लंदन के सेलिंग कारपोरेशन द्वारा निर्मित फिल्म 'ए डाटर आफ भारत' देखने गए। इसमें भारतीय जीवन को जिस प्रकार चित्रित किया गया था, उसे देखकर दादासाहब ने कड़ा विरोध दर्ज कराया और कहा, 'मैं अगले साल अपनी फिल्म के साथ यहां आऊंगा, तब आप असली भारत देखेंगे।' दो सप्ताह तक लंदन में रहने के बाद दादासाहब भारत लौट आए। मई 1912 में लंदन से मशीनरी मुंबई पहुंची। दादासाहब ने इसके साथ आए स्केच की मदद से इसे लगभग चार दिन के भीतर घर में ही सेट किया। साथ ही सरस्वतीबाई को फिल्म संबंधी जटिल काम सिखाया। दादासाहब ने फिल्म बनाने के लिए राजा हरिश्चंद्र की कहानी का उपयोग करने का निणय्र लिया, क्योंकि उस विषय पर मराठी और उर्दू मंच पर वैसा ही एक नाटक बहुत ज्यादा लोकप्रिय था, पर दिक्कत अभी भी पैसे की थी। निवेशकों का विश्वास अर्जित करने के लिए दादासाहब ने एक गमले में मटर का बीज बोया और उसके सामने कैमरा रख दिया। करीब सवा महीने तक कैमरा एक ही जगह रहा। प्रोजेक्टर की मदद से उन्होंने बीजों के पनपने और बेल के ऊपर तक पहुंचने को दिखाया। इसे देखकर बच्चे बहुत खुश हुए। फिर उन्होंने चुनिंदा लोगों को भी दिखाया। इनमें दादासाहब के सपने में यकीन करने वाले और उन्हें आर्थिक मदद देने वाले यशवंतराव नाडकर्णी भी थे। दादासाहब के जादू को देखकर वह बोले, 'दादासाहब, आपने मटर के बीज बोकर आज एक स्वदेशी सिनेमा के बीज बोए हैं।' फिल्म बनाने के लिए दादासाहब के पास ऋण के बदले में कुछ भी गिरवी रखने को नहीं था। तब सरस्वती ने मंगलसूत्र छोड़कर अपने सारे जेवर खुशी-खुशी दे दिए। मुंबई में 'नाट्यकला' नामक थिएटर कंपनी से पांडुरंग गदाधर, गजानन वासुदेव साने के परिचित दत्तात्रेय दामोदर उर्फ दादासाहब डाबके उनके साथ जुड़ गए। राजा हरिश्चंद्र और रानी तारामती के बेटे रोहिताश के किरदार के लिए दादासाहब ने अपने बेटे भालचंद्र को चुना। अब दिक्कत तारामती को लेकर थी। उस समय संभ्रांत परिवार की महिलाओं का फिल्मों में काम करना अच्छा नहीं माना जाता था। तब इस किरदार के लिए अनन हरि सालुंके को चुना गया। मुश्किल यह थी कि वह धार्मिक कारणों से अपनी मूंछ कटवाने को तैयार नहीं थे। तब दादासाहब ने उन्हें और उनके पिता को मनाया और इस प्रकार कृष्णा हरि उर्फ अनन सालुंके भारतीय फिल्म जगत की पहली नायिका बने। तमाम मुश्किलों को झेलते हुए छह महीने और 27 दिन में पहली भारतीय फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' बनी थी। दादासाहब ने किसी तरह 21 अप्रैल, 1913 को ओलंपिया थिएटर में फिल्म दिखाने के लिए रात नौ बजे का समय तय किया। फिल्म को काफी सराहना मिली। यह सराहना मुंबई के कोरोनेशन सिनेमा के मैनेजर नानासाहेब चित्रे तक भी पहुंची। उन्होंने फिल्म प्रदर्शित करने की इच्छा जताई। मुंबई में तीन मई, 1913 को पहली भारतीय फिल्म दिखाई गई। 'राजा हरिश्चंद्र' की सफलता के बाद दादासाहब फाल्के ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। जिसके बाद दादासाहब ने देश की पहली फिल्म कंपनी 'हिंदुस्तान फिल्म्स' बनाई। इस तरह भारतीय सिनेमा के विस्तार का आधार निर्मित हुआ।

कंगना ने नेटफ्लिक्स की उड़ाई धज्जिया

नई दिल्ली। कंगना रनोट ने नेटफ्लिक्स और करण जौहर पर जमकर निशाना साधा हैत् इसके साथ उन्होंने उनकी धज्जियां उड़ा दी हैत् हालांकि उन्होंने करण जौहर का नाम पोस्ट में सीधे नहीं लिया हैत् शुक्रवार को कंगना रनोट ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया हैत् इसमें वह दोनों की धज्जियां उड़ा रही कंगना रनोट ने कहा कि नेटफ्लिक्स भारतीय बाजार को नहीं समझ पायात् उन्होंने नेटफ्लिक्स की तुलना अमेजन प्राइम वीडियो से भी कीत् उन्होंने अमेजन प्राइम वीडियो को ज्यादा खुले दिमाग वाला और लोकतांत्रिक बतायात् इसके अलावा उन्होंने निर्माता करण जौहर पर भी निशाना साधात् हाल ही में करण जौहर ने नेटफ्लिक्स के ग्लोबल चीफ बेला बजारिया के लिए एक पार्टी का आयोजन किया थात् कंगना रनोट की फिल्म टिकू वेड्स शेरू अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगीत् इस बात की घोषणा गुरुवार को की गई है कंगना रनोट ने नेटफ्लिक्स के हेड रीड हेस्टिंग्स द्वारा दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त कीत् रीड हेस्टिंग्स ने भारत में नेटफ्लिक्स के कम सब्सक्राइबर को देखते हुए निराशा व्यक्त की थीत् इसपर कंगना ने लिखा, 'डाटा की माने तो अमेजन प्राइम वीडियो भारत में नेटफ्लिक्स के मुकाबले बहुत अच्छा कर रहा हैत् इसके पीछे कारण यह है कि वह खुले दिमाग से सोचते हैं और लोकतांत्रिक हैत् उनके हेड जब भारत आते हैं तो 90 के दशक के अब फ्लॉप डायरेक्टर की पाटिर्यों में नहीं जाते हैं लेकिन ऐसे लोगों से मिलते है जो योगदान दे रहे हैत् पिछली बार मैंने सुना कि नेटफ्लिक्स के हेड भारतीय मार्केट को नहीं समझ पाएत् भारतीय मार्केट 90 के दशक का गॉसिप डायरेक्टर नहीं हैत् यहां बहुत से टैलेंटेड लोग रहते हैं गौरतलब है ।

मलाइका अरोड़ा के माथे पर आया था कार एक्सीडेंट में इतना बड़ा कट, पहली बार एक्ट्रेस की तस्वीर में दिखा चोट का निशान

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस और डांसर मलाइका अरोड़ा अक्सर ही खबरों में छाई रहती है। मलाइका को न सिर्फ उनके डांस बल्कि उनके बोल्ड ड्रेसिंग सेंस और लुक के लिए भी जाना जाना है। वह सोशल मीडिया पर भी खूब सक्रीय रहती हैं। अक्सर ही मलाइका अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरों के जरिए फैंस के क्रेजी बनाती हैं। वहीं बीते दिनों मलाइका अपने एक्सीडेंट को लेकर काफी सुखिर्यों में रहीं। 2 अप्रैल को मलाइका की गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया था। मलाइका ने अपने एक्सीडेंट के बारे में बात करते हुए कई बार बताया कि हादसे के बाद से वह ट्रॉमा में हैं। वहीं अब उन्होंने पहली बार अपने एक्सीडेंट से लगी चोट के निशान को दिखाया है जो कि काफी गहरा नजर आ रहा है।मलाइका अरोड़ा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी एक तस्वीर शेयर

की है। इस तस्वीर में उनके एक्सीडेंट में लगे चोट के निशान को साफ देखा जा सकता है। मलाइका की तस्वीर में आप देख सकते हैं कि वह गाड़ी में बैठी हैं और ग्रीन जूस पी रही हैं। वहीं आप अगर ध्यान से देखें तो उनके माथे पर दोनों आईब्रो के बीच में एक बड़ा सा चोट का निशान नजर आ रहा है। अभी तक मलाइका अपनी चोट को छुपा रही थीं। वहीं पहली बार उन्होंने अपनी चोट फैंस को दिखाई।आपको बात दें कि हाल ही में मलाइका अरोड़ा का एक्सीडेंट महाराष्ट्र के खोपोली में हुआ था। ये एक्सीडेंट उस वक्त हुआ था जब वह एक इवेंट से वापस लौट रही थीं, तब तीन गाड़ियों के बीच टक्कर हुई। इस हादसे में मलाइका की गाड़ी का बुरा हाल हुआ था, साथ ही उनके माथे पर चोट लगी थी। एक्सीडेंट के बाद मलाइका अरोड़ा को अस्पताल के जाया गया था। वहीं एक्सीडेंट के बाद एक बार फिर से वह अपने काम पर लौट चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने एक पोस्ट के जरिए फैंस को ये जानकारी दी थी। ऐसे में 16 दिन रेस्ट के बाद एक्ट्रेस फिर से काम पर लौट आई हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका है। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते है। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके है। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए है। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे है इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे है। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं है ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते है। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डी जी ई टी -6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मैंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र मे प्रस्तावित व्यवसायो मे अगस्त 2021मे प्रारम्भ होने वाले सत्र मे प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कण्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करें :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274